हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 258, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 मार्च, 2022 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

काशी में पीएम मोदी बोले-सबका साथ सबका विकास सिर्फ नारा नहीं, यह हमारा कमिटमेंट

गुंडागर्दी, भाई भतीजावाद, परिवारवाद को लोग नकार चुके : प्रधानमंत्री

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार बनारस में विधानसभा चुनाव की अंतिम सभा को संबोधित करने सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के खजुरी पहुंचे। शनिवार को वाराणसी में अंतिम चरण के चुनाव के लिए प्रचार का अंतिम दिन है। जबकि सात मार्च को मतदान वाराणसी में होना है। वहीं खजुरी की जनसभा के लिए पीएम के आने से पहले ही लोगों का हुजूम सभास्थल पर पहुंचा। वहीं पीएम नरेन्द्र मोदी की जनसभा के दौरान मंच पर जिले के सभी प्रमुख पार्टी उम्मीदवार भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री जनसभा स्थल पर दोपहर 1.30 बजे पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंच पर चढ़ते ही विधायक नीलरत्न पटेल से उनके स्वास्थ्य का हाल पूछा। पीएम ने मंच से जनता को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर वार किया। पीएम ने सपा कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि घोर परिवारवादी देश हित में नहीं अपने हित में काम किया। पीएम ने कहा यहीं से 2014 का डंका बजल रहल... यह इस चुनाव की आखिरी सभा है। इस सदी में कई चुनौतियां रही हैं, सरकार उन सभी चुनौतियों से बेहतर तरीके से लड़ रही है।

कहा कि मित्रों मेरी यह आखिरी सभा है। उत्तर प्रदेश ने अभी तक ऐसा चुनाव नहीं देखा होगा। जब कोई सरकार विकास, सुदृण कानून व्यवस्था देने के दम पर जनता का आशीर्वाद मांग रही हो। बांदा से लेकर बहराइच तक पूरा यूपी बिना बटे एक जुट होकर कह रहा है आएगी तो भाजपा ही, आएंगे तो योगी ही। गुंडागर्दी, भाई भतीजावाद, परिवारवाद को लोग नकार चुके हैं। जो लोग केवल अपना विकास करें और अपने परिवार का विकास करे उनका साथ दोगे क्या। यह जो कहते हैं वह करते नहीं और जो नहीं कहते वह करवाते हैं। परिवारवाद के लोगों के घोषणा पत्र में दंगा तो नहीं था। पर उन्होंने पांच साल तक दंगे ही दंगे करवाए। दफ्तरों और थानों में पांच साल भाई भतीजावाद ही चलता रहा। काशी के पुरातनता को बनाए रखते हुए आधुनिक स्वरूप देना, बिजली के तारों के जंजाल से मुक्ति, चौड़ी होती सड़कें, नए सड़क और फ्लाईओवर, 450 सौ करोड़ रुपये किसानों के खाते में पहुंचाया गया, कार्गो सेंटर, गोबर गैस प्लांट, दूध प्लांट, चावल अनुसंधान, प्राकृतिक खेती पर काम हुआ है। दस मार्च को चुनाव नतीजे आने के बाद और भी विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर काम किया जायेगा।

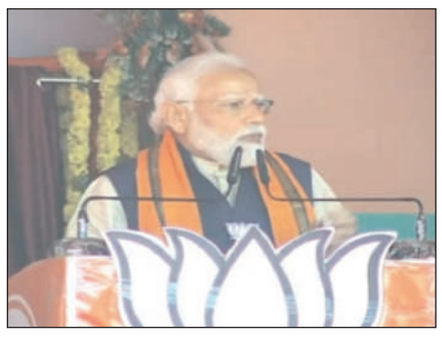

पहले कैंसर का इलाज मुंबई और दिल्ली में होता था अब काशी में हो रहा है। यही तो विकास है। इससे पूर्वांचल के लोगों में विश्वास बढ़ा है। 21 वीं सदी देश के लिए कुछ चुनौतियां लेकर आया है। इसमें हम अवसर खोजेंगे।

आज पंचायत के चुनाव में लोग वोट देते हैं तब लोग विकास के नाम पर वोट देते हैं। तो फिर यह तो विधानसभा का चुनाव है। भारत के लोग जब संकट से जूझते हैं तब परिवारवाद के लोग उसमें मदद के बजाए और उनको संकट में डालता है। यह हमने कोरोना के समय भी देखा। और आज यूक्रेन संकट के समय में भी देख रहा हूं। नकारात्मकता इनकी विचार धारा बन गयी है। देश का खजाना भले ही खाली हो जाए लेकिन गरीबों की रसोई का चूल्हा हमेशा जलता रहे। देश की आजादी के बाद लगातार दो साल तक गरीबों को मुफ्त राशन दिया गया। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमें उन गरीबों का आशीर्वाद मिलता रहा है। भाईयों बहनों आप सबने टीका लगवाया क्या। क्या आपको कहीं पैसा देना पड़ा। जब नहीं तब भी परिवारवाद के लोगों के मुंह से कभी एक सही शब्द निकला क्या। हमने दस करोड़ शौचालय बनवाया। हमें उन माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिला है। उन माताओं-बहनों ने उसे इज्जत घर का नाम दिया है। पहले उनको शौच जाने के लिए सूरज उगने से पहले और सूरज ढलने का इंतजार करना पड़ता था। हमने उनकी कठिनाइयों को समझा और घर-घर शौचालय बनवाया। अब बताओ जरा जब स्वच्छता बढ़ेगी तब गरीबों के बच्चे बीमार नहीं पड़ेंगे, तब गरीबों का पैसा बचेगा।

आज देश ही नहीं विदेश में भी लंगड़ा आम से लेकर खादी तक का प्रचार हो रहा है। लोकल फार वोकल हो, क्या बनारसी साड़ी, मैं जहां-जहां जाऊं और बनारसी लंगड़ा आम के गीत गाऊं तो किसानों को फायदा होगा की नहीं बनारसी खिलौने का प्रचार प्रसार करुं तो उन गरीबों की आय बढ़ेगी की नहीं। क्या यह गलत काम है। लेकिन हमारे विरोधी कभी इसका नाम नहीं लेते। आज दुनियाभर में योग और आयुष की धूम है। लेकिन हमारे विरोधी योग का भी विरोध करते हैं। कारण की आप योग करोगे तो निरोग रहोगे। तब मोदी-मोदी गाओगे। एक समय में खादी कांग्रेस की पहचान हुआ करती थी। मैं केवल बनारस मंडल की बात करूं तो 170 करोड़ रुपये की आय खादी को हुई है। इससे कितनों गरीब माताओं- बहनों की आय बढ़ी है।

यूपी में दुकान खाली करवाने के लिए मालिक का बेरोजगार होना जरूरी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि यूपी शहरी भवन (किराया और बेदखली विनियमन) कानून, 1972 की धारा 21(1)(ए) के तहत वास्तविक जरूरत के आधार पर दुकान खाली कराने की मांग करने के लिए मकान मालिक के बेरोजगार होने की आवश्यकता नहीं है। जस्टिस यूयू ललित की पीठ ने कहा कि यह प्रावधान केवल इतना ही कहता है कि मकान मालिक की जरूरत वास्तविक होनी चाहिए। इसमें यह कहीं नहीं कहा गया है कि ये कार्यवाही करने के लिए मकान मालिक का बेरोजगार होना जरूरी है, तब ही वह इस धारा के तहत अर्जी दे सकता है।

कोर्ट ने कहा कि तथ्य दशार्ते हैं कि एक दुर्घटना में अपीलकर्ता का एक पैर खराब हो गया था। वह वास्तव में चाहता था कि उसका बेटा कुछ व्यवसाय शुरू करें। दुकान के अलावा उसके पास और कोई संपति नहीं थी। पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए अपीलीय अथॉरिटी के आदेश को बहाल कर दिया और कहा कि हाईकोर्ट का रिट अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए अपीलीय अथॉरिटी के तथ्यों की खोज के आदेश से छेड़छाड़ करना उचित नहीं था। पीठ ने दुकान खाली करने के लिए किरायेदार को

31 दिसंबर तक का समय दिया, लेकिन कहा कि वह तीन हफ्ते में कोर्ट में शपथपत्र देंगे कि दुकान को तय समय में खाली कर दिया जाएगा। इस बीच वह किराया नियमित रूप से देते रहेंगे और कोई बकाया नहीं रखेंगे। तीन हफ्ते में शपथपत्र नहीं देने पर दुकान खाली करने का आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो जाएगा। मकान मालिक ने ज्वालापुर (हरिद्वार) में किरायेदार के कब्जे वाली दुकान को खाली कराने की मांग करते हुए एक अर्जी दाखिल की थी, उसके बेटे के लिए काम-धंधा शुरू करने के वास्ते दुकान की आवश्यकता है। किराया प्राधिकारी ने इस आवेदन को अस्वीकार कर दिया। लेकिन अपीलीय अथॉरिटी ने अपील स्वीकार कर ली और किरायेदार को दुकान खाली करने का आदेश दिया। आदेश के खिलाफ किराएदार ने संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत उत्तराखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने अपीलीय अथॉरिटी के फैसले को पलट दिया और कहा कि मकान मालिक का बेटा जिसके लिए दुकान खाली करने की मांग की गई थी, वह आयकर चुकाता है और और उसकी 1,14,508 रुपया आय प्रति वर्ष है। इसलिए वह बेरोजगार व्यक्ति नहीं था। साथ ही हाईकोर्ट ने पाया कि किराया कानून की धारा 21(1)(ए) के तहत आवेदन को सुनवाई योग्य नहीं माना जा सकता। यह किराया कानून उत्तराखंड में भी लागू है।

केंद्र का बड़ा फैसला- आवासीय, वाणिज्यिक निर्माण स्थलों पर 10 फीसदी वृक्षारोपण का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। शहरों में प्रदूषण में कमी लाने के लिए पर्यावरण मंत्रालय ने एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इसके तहत आवासीय और वाणिज्यिक निर्माण स्थलों में उनके

भूखंड का कम से कम 10 प्रतिशत क्षेत्रों में वृक्ष लगाने के लिए कहा गया है। मंत्रालय ने 28 फरवरी को भवन निर्माण पर्यावरण प्रबंधन विनियम, 2022 पर एक मसौदा अधिसूचना जारी कर 60 दिनों के भीतर प्रस्ताव पर जनता के सुझाव और आपत्तियां मांगी। यह नियम उन परियोजनाओं पर लागू होंगे जिनमें नई भवन परियोजनाओं का निर्माण और 5,000 वर्ग मीटर से अधिक के निर्मित क्षेत्र वाले पुराने मौजूदा भवनों का विस्तार, नवीनीकरण या मरम्मत शामिल है। मसौदा अधिसूचना में कहा गया है कि प्रत्येक 80 वर्गमीटर भूमि के लिए कम से कम एक पेड़ लगाया जाना चाहिए ताकि पेड़ के कवर के तहत कम से कम 10 फीसदी भूखंड क्षेत्र सुनिश्चित हो सके। मौजूदा पेड़ों की गणना इस उद्देश्य के लिए की जाएगी।

पर्यावरण मंत्रालय के दिशानिर्देश- इसमें कहा गया है कि इमारतों, सड़कों, पक्के क्षेत्रों और बाहरी सेवाओं के लिए प्रस्तावित क्षेत्रों से ऊपरी मिट्टी को केवल 20 सेमी की अधिकतम गहराई तक ही हटाया जाना चाहिए। इसे निर्दिष्ट क्षेत्रों में उचित रूप से भंडारित किया जाना चाहिए और साइट पर प्रस्तावित वनस्पति के रोपण के दौरान पुनः लागू किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि परियोजना के निर्माण चरण के दौरान केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के बिना आर्द्रभूमि और जल निकायों और भूजल पर किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में लगी आग इंजन सहित दो डब्बे हुए जलकर राख

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में शनिवार की सुबह मेरठ के दौराला स्टेशन पर अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन के ब्रेक जाम होने के चलते यह हादसा हुआ। आग की तेज लपटों से ट्रेन के इंजन सहित दो डिब्बे जलकर राख हो गए। यूपी के सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में शनिवार की सुबह मेरठ के दौराला स्टेशन पर अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन के ब्रेक जाम होने के चलते यह हादसा हुआ। आग की तेज लपटों से ट्रेन के इंजन सहित दो डिब्बे जलकर राख हो गए। ट्रेन से उतरकर अपनी जान बचाने वाले यात्रियों ने बताया कि देवबंद से ही उन्हें कुछ आवाज सुनाई दे रही थी। दुर्गंध भी महसूस हो रही थी। लेकिन तब किसी को इसकी वजह समझ नहीं आई। फिर अचानक सीट के नीचे से धुआं निकलना शुरू हो गया। कुछ यात्रियों का कहना है कि उन्होंने इंजन में मौजूद ड्राइवर तक धुआं निकलने की बात पहुंचाने के लिए काफी शोर मचाया लेकिन बात उन तक पहुंच नहीं सकी। मटौर गांव पहुंचते-पहुंचते धुआं काफी बढ़ गया। इससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। दौराला स्टेशन पर ट्रेन रुकते ही यात्री नीचे उतरकर चिल्लाते हुए दौड़ पड़े।

रूस से लड़ने वापस आए विदेशों में मौजूद 66 हजार से अधिक यूक्रेनियंस, पुतिन ने किया सीजफायर का एलान

नई दिल्ली। यूक्रेन में दस दिनों तक चली लड़ाई के बाद आखिरकार रूस सीजफायर के लिए तैयार हो गया है। रूस की तरफ से इसका एलान कर दिया गया है। रूस ने यहां तक कहा है कि वो अब मानवीय आधार पर वहां फंसे लोगों को निकालने में मदद करेगा। इससे पहले कहा गया था कि रूस की सेना कीव के काफी नजदीक आ गई थी। ये सीजफायर आज सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। यूक्रेन की पोर्ट सिटी मारीपोल से 11 बजे से लोगों को निकालने का काम शुरू हो चुका है। यहां पर करीब साढ़े चार लाख लोग हैं। वहीं वोल्नोवाखा में करीब 21 हजार लोग हैं। हमले के बाद इन दोनों शहरों में पानी और बिजली की काफी किल्लत हो गई है। यूक्रेन में तापमान बेहद कम है जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच रायटर्स ने यूक्रेन के रक्षा मंत्री के

हवाले से बताया है कि विदेशों में मौजूद करीब 66,200 यूक्रेनियंस रूस से लड़ने के लिए स्वदेश वापस आ गए हैं।

यूक्रेन में रूस की एयर स्ट्राइक की आशंका के मद्देनजर कीव में लोगों को अलर्ट दिया गया है। इसमें कहा गया है कि वो जहां भी अपने नजदीक शेल्टर देखें वहां जाकर छिप जाएं। वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने उन खबरों का खंडन किया है जिसमें कहा जा रहा है कि वो देश छोड़कर चले गए हैं। तास एजेंसी के मुताबिक उन्होंने कहा है कि वो कीव में ही हैं और अपने आफिस से ही काम कर रहे हैं। एक इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो के जरिए उन्होंने ये बात कही है। उन्होंने इसमें अपने आफिस को भी दिखाया है। इसमें वो कहते दिखाई दे रहे हैं कि वो यहीं अपने आफिस में ही हैं। एंड्रे बोरिसोविच भी यही हैं। कोई यहां से नहीं भागा है। इससे पहले रूस की ड्यूमा के स्पीकर वेचेस्लेव वोलोडिन ने कहा था कि जेलेंस्की यूक्रेन छोड़ पौलेंड चले गए हैं।

राज्यपाल के संबोधन के समय घटने वाली कुछ घटनाओं से बचा जाना चाहिए: उपराष्ट्रपति नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को कहा कि राज्यपाल के संबोधन के समय घटने वाली कुछ घटनाओं तथा कुछ संस्थानों में होने वाली हिंसा से पूरी तरह से बचा जाना चाहिए क्योंकि ऐसी चीजे लोकतंत्र को

कमजोर बनाती हैं और लोगों का मोहभंग होता है। वेंकैया नायडू ने कहा कि लोकतंत्र में अगर आप किसी सरकार को पसंद नहीं करते हैं तब आप शांतिपूर्ण ढंग और संयम के साथ विरोध कर सकते हैं तथा चुनाव का इंतजार कर सकते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से जनादेश का सम्मान करने और हिंसा से बचने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति राजभवन में दरबार हॉल का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसमें राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लै और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत आदि मौजूद थे। वेंकैया नायडू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही विधायकों की नारेबाजी के कारण महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी मुम्बई में विधान भवन के केंद्रीय हॉल में विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र के संबोधन को पूरा किये बिना चले गए थे। बुधवार को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी अपना संबोधन संक्षिप्त कर दिया था।

24 घंटों में सामने आए कोरोना के 921 नए मामले, 289 मरीजों की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना महामारी अब काबू में आती दिखाई दे रही है। बीते 24 घंटों में देश में 5 हजार 921 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 289 मरीजों की मौत हुई और 11 हजार 661 मरीज स्वस्थ हुए हैं। फिलहाल, देश में 63 हजार 878 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। नए आंकड़ों को मिलाकर देश में संक्रमितों की संख्या 4 करोड़ 29 लाख 57 हजार 477 पर पहुंच गई है। अब तक 5 लाख 14 हजार 878 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं।

मध्यप्रदेश में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 153 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,39,745 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा पिछले 24 घंटों में प्रदेश में किसी व्यक्ति की मौत इस बीमारी से नहीं हुई है। राज्य में अब तक कुल 10,732 लोगों ने इस बीमारी से जान गंवाई है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के इंदौर में 17 और भोपाल में 26 नए मामले दर्ज किए गए हैं। केरल में शुक्रवार को कोरोना वायरस के 2190 नए मरीज मिले हैं तथा वायरस के कारण 254 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। वहीं आंध्र प्रदेश में कोविड के 86 मामले आए हैं। तिरुवनंतपुरम में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि

केरल में कोविड के कुल मामले 65,08,845 पहुंच गए हैं तथा मृतक संख्या 66,012 हो गई है। वहीं 64,24,920 लोग संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में संक्रमण के कारण सिर्फ तीन लोगों की जान गई है। उसने बताया 72 संक्रमितों की मौत कुछ दिन पहले हुई थी, लेकिन इन्हें दर्ज नहीं किया जा सका था, जबकि केंद्र के नए दिशा-निर्देशों और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत मिली अपीलों के आधार पर 179 मौतों को कोविड के कारण मृत्यु माना गया है। विज्ञप्ति में बताया गया है राज्य में संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 17,105 है जिनमें से सिर्फ 8.8 फीसदी राज्य के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। वहीं अमरावती में जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया है कि आंध्र प्रदेश में कोविड के और 86 मरीजों की पुष्टि होने के बाद कुल मामले 23,18,262 पहुंच गए हैं। प्रदेश में संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या अब 1,341 रह गई है जबकि 23,02,192 लोग संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। शुक्रवार सुबह नौ बजे खत्म हुए पिछले 24 घंटे में किसी भी संक्रमित की मौत की पुष्टि नहीं हुई, लिहाजा मृतक संख्या 14,729 पर स्थिर है।

पंजाब विधानसभा चुनाव में नतीजों के आंकलन में जुटी कांग्रेस

जालंधर। पंजाब विधानसभा के चुनावी नतीजे 10 मार्च को घोषित होंगे पर कांग्रेस उससे पहले पंजाब में आंकलन करने में जुट गई है। कांग्रेसी हलकों ने बताया कि कांग्रेस के शीर्ष नेता चुनावों के संभावित नतीजों का आंकलन करने में लगे हुए हैं। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व यह मान कर चल रहा है कि दोआबा में कांग्रेस की स्थिति बेहतर रह सकती है। इसके पीछे यह कारण दिया जा रहा है कि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के कारण दलित वोट कांग्रेस के पक्ष में गया है। कांग्रेसी हलकों ने बताया कि पिछली बार भी दोआबा क्षेत्र में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा था। दोआबा में 23 विधानसभा सीटें आती हैं। दोआबा में अगर दलितों ने 50 प्रतिशत से अधिक वोटें कांग्रेस के पक्ष में डाली होंगी तो उससे विभिन्न सीटों के चुनावी नतीजों पर काफी असर पड़ेगा। इस तरह माझा क्षेत्र में भी आंकलन किया जा रहा है। माझा में कांग्रेस का मुख्य मुकाबला शिरोमणि अकाली दल के साथ है। माझा में इस बार शिअद भी कई सीटें जीतने में कामयाब हो सकता है। कांग्रेस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है। कि उसका प्रदर्शन कितनी सीटों पर प्रभावशाली रहेगा। मालवा क्षेत्र को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। मालवा में कांग्रेस यह देख रही है कि एक्टर दीप सिद्धू तथा डेरा फैक्टर का किस पार्टी के पक्ष में कितना असर जाता है। इसीलिए चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता का माहौल दिखाई दे रहा है परन्तु कांग्रेसी नेताओं का मानना है कि दीप सिद्धू ने जिस तरह से मतदाताओं को आम आदमी पार्टी को वोट न देने की अपील की थी उससे वोटें या तो अकाली दल अमृतसर या फिर संयुक्त समाज मोर्चे को चली गई हैं। कांग्रेस इसे अपने हित में मानती है। डेरा सच्चा सौदा द्वारा भाजपा व अकाली दल के पक्ष में कई सीटों पर मतदान करने का आह्वान किया गया।

चिंतन मनन

प्रदूषण से मौत

सेंटर फार साइंस ऐंड एनवायरनमेंट यानी सीएसई की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, बीते बीस सालों में हवा में सूक्ष्म कणों यानी पीएम 2.5 में तेज बढ़ोतरी की वजह से होने वाली मौतों की तादाद कम से कम ढाई गुना बढ़ गई है। भारत की पर्यावरण रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दुनिया भर में वायु प्रदूषण के कारण पिछले दो दशक में साठ लाख से ज्यादा से लोगों की जान गई। अकेले भारत में इस अवधि में 10.67 लाख लोग दुनिया से चले गए। विचित्र यह है कि युद्ध या अन्य प्रत्यक्ष कारणों से होने वाली मौतों की संख्या से तो दुनिया भर में परेशानी महसूस की जाती है, लेकिन प्रदूषण के चलते इतनी बड़ी तादाद में लोगों की जान चली जाती है और यह कोई ऐसी चिंता पैदा नहीं कर पा रही है, जिसके तत्काल समाधान की जरूरत महसूस की जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में वायु प्रदूषण के जोखिम से जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों से जीवन के पहले महीने में वैश्विक स्तर पर 4 लाख 76 हजार शिशुओं की मौत हो गई। इनमें से भारत में एक लाख सोलह हजार बच्चों की जान गई। जाहिर है, प्रदूषण की वजह से होने वाली मौतों के आंकड़े भयावह हैं। इस समस्या की चपेट में आकर जान गंवाने वाले ज्यादातर लोगों की जान बचाई जा सकती थी, अगर समय रहते आबोहवा के जानलेवा स्तर पर पहुंचने से रोकने के लिए दुनिया भर में उचित उपाय किए जाते। लेकिन सच यह है कि पिछले कई दशकों से विश्व भर में इस मसले पर लगातार आयोजनों और सम्मेलनों के बावजूद प्रदूषण के असर की तस्वीर और बिगड़ती गई है। सवाल है कि इतने लंबे समय से वायु प्रदूषण के इस पहलू और कारक के एक जगजाहिर समस्या होने और इसके बारे में सब कुछ ज्ञात होने के बावजूद इसकी रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया जा सका! जबकि आए दिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण की बिगड़ती हालत और उसके समाधान को लेकर व्यापक पैमाने पर चिंता जताई जाती है। आखिर वे कौन-से कारण हैं कि कार्बन उत्सर्जन पैदा करने वाले धनी और विकसित देश हर मौके पर इस मसले पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं और समस्या की गंभीरता का ठीकरा अविकसित या विकासशील तीसरी दुनिया के देशों पर फोड़ देते हैं?

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा। उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

आना जल्द नतीजा !

पहुंचे अंतिम चरण में ।
किया इतना पार ।।
आना जल्द नतीजा ।
बैठे सब तैयार ।।
लायी मेहनत रंग ।
कितनी अब की बार ।।
देखेगा जग सारा ।
आयी कितनी धार ।।
मंजिल है करीब ।
रहे हैं सब निहार ।।
जागी दिल में इच्छा ।
आ जाए बहार ।।
रचने को इतिहास ।
हुए हैं आतुर आज ।।
बंधना है जरूर ।
अपने सर पर ताज ।।

–कृष्णेन्द्र राय

क्षमा की मनोवैज्ञानिकता

क्षमा, एक मनोवैज्ञानिक अर्थ में, जानबूझकर और स्वैच्छिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति जो शुरू में पीड़ित महसूस कर सकता है, किसी दिए गए अपराध के बारे में भावनाओं और दृष्टिकोण में बदलाव से गुजरता है, और जीत जाता है क्षमा आक्रोश या क्रोध की मुक्ति है। क्षमा का अर्थ मेल-मिलाप नहीं है। किसी को उसी रिश्ते में लौटने या अपराधी से वही हानिकारक व्यवहार स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है।

पीड़ित लोगों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्षमा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह लोगों को भावनात्मक रूप से किसी अन्याय या आघात में उलझाए रखने के बजाय आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। क्षमा को मूड को बढ़ाने, आशावाद को बढ़ाने और क्रोध, तनाव, चिंता और अवसाद से बचाने के लिए दिखाया गया है।

हालांकि, ऐसे परिदृश्य हैं जिनमें क्षमा किसी व्यक्ति विशेष के लिए सबसे अच्छा तरीका नहीं है। कभी-कभी यौन शोषण का शिकार अधिक सशक्त हो जाता है जब वे खुद को क्षमा न करने की अनुमति देते हैं।

किसी को माफ कैसे करें जिसने आपको गलत किया है क्षमा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर तब जब आपत्तिजनक पक्ष या तो एक निष्ठाहीन माफी या कुछ भी नहीं पेश करता है। हालाँकि, यह अक्सर स्वास्थ्यप्रद मार्ग होता है। मनोवैज्ञानिक रॉबर्ट एनराइट द्वारा प्रस्तुत एक प्रमुख मॉडल, क्षमा के चार चरणों को चित्रित करता है। पहला यह है कि आपने भावनाओं से कैसे बचा या संबोधित किया है, इसकी खोज करके अपने क्रोध को उजागर करें। दूसरा है क्षमा करने का निर्णय लेना। यह स्वीकार करके शुरू करें कि अपराध को अनदेखा करना या उसका सामना करना काम नहीं आया है, और इसलिए क्षमा आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान कर सकती है। तीसरा, अपराधी के लिए करुणा विकसित करके क्षमा की खेती करें। इस बात पर विचार करें कि क्या यह कार्य अपराधी के जीवन में दुर्भावनापूर्ण इरादे या परिस्थितियों के कारण हुआ था। अंत में, हानिकारक

भावनाओं को छोड़ दें और इस पर चिंतन करें कि आप अनुभव और क्षमा के कार्य से कैसे विकसित हुए हैं।

मैं नाराजगी को कैसे दूर करूं?

असंतोष कभी-कभी वर्षों तक बना रह सकता है, भले ही हमें लगता है कि हम "आगे बढ़ गए" या "इसके बारे में भूल गए।" आक्रोश को दूर करने के लिए, इस बात पर चिंतन करें कि व्यक्ति ने अपराध क्यों किया है, दर्द के साथ बैठें, और फिर दूसरे व्यक्ति को क्षमा करने का प्रयास करें, क्योंकि क्षमा शक्ति की भावना पैदा कर सकती है जो कड़वाहट पर हावी हो जाती है।

मुझे धोखा देने के लिए मैं अपने साथी को कैसे क्षमा करूँ?

किसी अफेयर को माफ करने का निर्णय गहरा व्यक्तिगत होता है। एक प्रमुख घटक उस साथी के लिए है जिसका संबंध उस क्षण से पूरी तरह से पारदर्शी और ईमानदार होना था ताकि रिश्ते में विश्वास का पुनर्निर्माण किया जा सके। इसमें अंतर्निहित समस्याओं को दूर करने और भविष्य में बेवफाई को रोकने के लिए संबंध के कारणों की खोज करना शामिल हो सकता है।

अपने आप को कैसे क्षमा करें

दूसरे को क्षमा करना एक बात है, लेकिन जब हम स्वयं अपराध करते हैं तो क्या होता है? गलतियों की जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण है, लेकिन लंबे समय में गहन अपराधबोध और शर्म एक उत्पादक परिणाम नहीं हैं।

आत्म-क्षमा की प्रक्रिया एक दर्दनाक चुनौती हो सकती है लेकिन गहराई से मूल्यवान है। इस प्रक्रिया की कुंजी किसी की गलतियों को स्वीकार करना, यह समझना कि वे क्यों हुईं, और स्थिति को सुधारने में मदद करना।

पिछली गलतियों के लिए मैं खुद को कैसे माफ करूं?

यह स्वीकार करते हुए शुरू करें कि आप गलती पर हैं और आपके द्वारा की गई चोट की जिम्मेदारी लेते हैं। इस बात पर चिंतन करें कि घटना क्यों हुई और भविष्य में इसी तरह के अपराध से बचने के तरीके की पहचान करें। फिर विचार पर ध्यान केंद्रित करके, उसे जोर से बोलकर या लिखकर स्वयं को क्षमा करें। जिस व्यक्ति के साथ आपने अन्याय किया है उससे माफी मांगें और उनके जीवन को सार्थक तरीके से सुधारने का प्रयास करें।

आत्म-क्षमा करना इतना कठिन क्यों है?

गलतियाँ अक्सर अपने बारे में अंतर्निहित मान्यताओं से जुड़ी होती हैं, जैसे "मैं हमेशा गलत बातें कहता हूँ" या "मैं अपने बिलों को कभी भी कवर नहीं कर पाऊँगा।" आत्म-क्षमा के लिए इन विश्वासों को पहले पहचानने और संबोधित करने की आवश्यकता हो सकती है। यह नुकसान और अन्य आत्म-क्षमा को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनाते हैं।

क्षमा के लाभ

क्षमा और क्षमा चिकित्सा को खुशी, आशा और आशावाद की अधिक भावनाओं से जोड़ा गया है। क्षमा की प्रक्रिया चिंता और अवसाद और अभिघातज के बाद के तनाव विकार जैसी गंभीर स्थितियों से भी रक्षा कर सकती है। यह अधिनियम हृदय रोगियों को उनके रक्तचाप को काफी कम करके लाभान्वित करने के लिए भी दिखाया गया था।

मुझे क्षमा करने के लिए कहा गया है "मेरे अपने भले के लिए?" क्यों?

जब भी व्यक्ति के दिमाग में आता है, तो क्रोध और आक्रोश शरीर को कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे तनाव हार्मोन जारी करने की ओर ले जाता है। उन रसायनों की एक स्थिर धारा तनाव और चिंता के साथ-साथ रचनात्मकता और समस्या समाधान को कम कर सकती है।

क्षमा के भावनात्मक लाभ क्या हैं?

क्षमा कई सकारात्मक मनोवैज्ञानिक विकास प्रदान करती है, जैसे अस्वस्थ क्रोध को कम करना, संभावित मूल्यवान संबंधों की मरम्मत करना, एक व्यक्ति के रूप में विकसित होना, और अपने आप में अच्छाई का प्रयोग करना, चाहे कोई भी प्रतिक्रिया क्यों न हो। व्यक्तिगत लाभों के अलावा, दूसरों के लिए क्षमा की मॉडलिंग करने से अंतर-पीढ़ीगत और यहां तक कि सामाजिक सुधार भी हो सकता है।

क्या क्षमा अवसाद को कम करने में मदद कर सकती है?

क्षमा चिकित्सा रोगियों को अन्याय और भावनात्मक दर्द का सामना करने के लिए कहती है, और फिर अस्वस्थ क्रोध को हल करने के लिए क्षमा की दिशा में काम करती है। यह थेरेपी, दवा या संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी के संयोजन में, अवसाद के इलाज में मदद कर सकती है।

जेनेटिक परिवर्तित खाद्यपदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के कारण जैविक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दीजिए ! – आरोग्य साहाय्य समिति

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को भी आरोग्य साहाय्य समिति की ओर से निवेदन

जेनेटिक परिवर्तन कर सुधारे गए खाद्य पदार्थ जंतुओं से प्राप्त पदार्थ हैं, जिनका परिवर्तन प्राकृतिक रूप से नहीं किया जाता । जेनेटिक परिवर्तन के कारण कैन्सर, कुपोषण, रोगप्रतिरोधक शक्ति की कमी आदि गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं । इस प्रकार के खाद्यपदार्थ में अधिक मात्रा में खाद, सिंचन और विषैले कीटकनाशकों का उपयोग करने के कारण स्वास्थ्य की अनेक समस्याएं उत्पन्न होती हैं । इसलिए पर्यावरण के संतुलन पर भी विपरीत परिणाम होता है । इसलिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा जेनेटिक परिवर्तित खाद्य पदार्थों के स्थान पर जैविक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दी जाए, ऐसी मांग आरोग्य साहाय्य समिति ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निवेदन देकर की है ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा जेनेटिक परिवर्तित खाद्य पदार्थों सहित अन्य खाद्य पदार्थों के उत्पादन, संग्रहण, वितरण, विक्रय और आयात इस संदर्भ में समाज से प्रतिक्रिया, अभिप्राय मंगवाए थे। उसके अनुसार आरोग्य साहाय्य समिति ने अपना निवेदन प्रस्तुत किया ।

इस संदर्भ में आरोग्य साहाय्य समिति ने आगे दी हुई मांगे की हैं -

1. जेनेटिक परिवर्तित खाद्यपदार्थों के कारण कैन्सर, कुपोषण, एंटीबॉडीज की कमी, इम्युनो-सप्रेशन आदि गंभीर स्वास्थ्य की समस्याएं उत्पन्न होती हैं तथा विषैले द्रव्यों का उत्पादन हानिकारक स्तर पर बढ सकता है।

2. जेनेटिक परिवर्तन की हुई उपज में पोषण मूल्यों से समझौता किया जाता है । इसलिए जैविक उपज पर बल देना आवश्यक है ।

3. जेनेटिक परिवर्तन की हुई उपज की 3 बोआई के पश्चात भूमि का उपजाऊपन और अनाज का स्तर खराब होता है। इसलिए किसानों पर आर्थिक भार बढता है।

4. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को जेनेटिक परिवर्तित बीजों के स्थान पर प्राकृतिक/जैविक बीजों का विचार करना चाहिए । जैविक बीज स्वास्थ्य के लिए, पर्यावरण के लिए तथा पर्यावरण के संतुलन के लिए अधिक अच्छा है ।

5. जेनेटिक परिवर्तित खाद्य पदार्थों के उत्पादन के कारण अथवा उनकी वृद्धि के कारण विकासशील देशों का औद्योगिक देशों पर अधिक मात्रा में निर्भर रहने का संकट बढ़ सकता है; क्योंकि आगामी काल में उनके द्वारा अन्न उत्पादन नियंत्रित किया जा सकता है ।

जीवन में भी योगी और मृत्यु में भी योगी

भारत भूमि आदि काल से ही योगियों व ऋषि-मुनियों की जन्म-शरण और तपोस्थली रही है। भगवान श्री कृष्ण, महावतार बाबाजी, लाहिड़ी महाशय, श्रीयुक्तेश्वर गिरि और श्री श्री परमहंस योगानंद की परंपरा के संतों ने विश्व को क्रियायोग के रूप में एक ऐसी वैज्ञानिक तकनीक दी है जिससे कोई भी मानव अपनी आत्मा की अमरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। ऐसे ही संत स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि और उनके शिष्य योगानंदजी की महासमाधि के दिवस भी आसपास पड़ते हैं। योगानंदजी ने 7 मार्च, 1952 को शरीर त्याग कर महासमाधि में प्रवेश किया था और उनके गुरु श्रीयुक्तेश्वर गिरि ने 9 मार्च, 1936 को। योगानंदजी ने अमेरिका के लॉस एन्जिलिस में शरीर त्याग करने के बाद यह प्रमाणित कर दिया था कि वह जीवन में ही नहीं अपितु मृत्यु में भी योगी ही थे। योगानंदजी की विश्व विख्यात पुस्तक ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी के अनुसार योगानंदजी का जन्म 5 जनवरी, 1893 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर शहर में हुआ था। बाल्यकाल से ही ईश्वर के प्रति उनमें अनंत आस्था और आकर्षण था। पिता भगवतीचरण घोष रेलवे में एक बड़े अधिकारी थे, मां ज्ञानप्रभा गृहणी थी। दोनों ने ही काशी के महान संत श्यामाचरण लाहिड़ी से क्रियायोग की दीक्षा प्राप्त की थी। योगानंद जब शिशु थे उस समय लाहिड़ी महाशय ने उनको अपनी गोद में लेकर आध्यात्मिक आशीर्वाद के रूप में उनके ललाट पर हाथ रख उनकी मां से कहा था कि तुम्हारा पुत्र एक योगी होगा। वह एक आध्यात्मिक इंजन बनकर अनेक आत्माओं को ईश्वर के साम्राज्य में ले जाएगा। 1915 में कोलकाता विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात योगानंदजी को उनके गुरू श्रीयुक्तेश्वर गिरि ने सन्यास की दीक्षा दी।

(कविता)

आज फिर एक नई शुरूआत करते है

चलो आज फिर एक नई शुरूआत करते है
देर हो चुकी है बहुत
पर आज से ही कल का आगाज करते है

मिलो पीछे ठहरने वाले
आज आगे निकल चुके है
जो पुछा करते थे कितबो के सवाल .....कभी मुझसे
आज वो नवाब बने फिरते है
देर हो चुकी है बहुत
पर आज से ही कल का आगाज करते है

सपना बुलंदियो को छूने का ..... कभी रहा ही नही
मुझे तो जमीन की गोद मे ठहरना था
चलना था मिलो दूर तक मुझे
करना था बहुत कुछ सफर मे .....
पर पैसे कमाने की दौड मे
ये कहाँ आ गये हम

देर बहुत हो चुकी है
पर आज से ही कल का आगाज करते है हम

भटके हुये को रस्ता दिखाना चाहते थे पर
समाज के जन्जाल मे खुद ही फंस गये हम
रितियों की बेडियो मे कुछ ऐसे बँध गये हम
खुद के उम्मीदों का गला घोटत रहे हम

एहसास है मुझे
देर बहुत हो चुकी है
पर आज से कल का आगाज करते है

रंजना यादव
बलिया

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भूमि पूर्वांचल तय करेगा यूपी का विजय मुकुट

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का पांचवां चरण 27 फरवरी को संपन्न हुआ। चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर आ पहुंचा है। पूर्वांचल से तय होगा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की कुर्सी किसके हिस्से में रहेगी। पूर्वांचल सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का गढ़ है। अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि है, तो गोरखपुर गुरु गोरखनाथ की भूमि है। इसी प्रकार कुशीनगर भगवान बुद्ध की भूमि है, तो काशी मुक्ति और ज्ञान नगरी है साथ ही प्रयाग पवित्र नदियों के संगम की भूमि है। यह क्षेत्र सांस्कृतिक चेतना के साथ-साथ राजनीतिक रूप से बहुत उर्वरक है। विशेषकर हिंदुत्व का गढ़ है, प्रयोगशाला है जिसमें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का रंग बहुत ही गाढ़ा है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूर्वांचल का विकास हो रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस से सांसद हैं. इसलिए यह चुनाव और भी महत्त्वपूर्ण हो गया है। वहीं अखिलेश यादव द्वारा मुख्यमंत्री काल में किए गये पूर्वांचल के विकास के दावे आज चुनाव के मुद्दे बने हुए हैं। पूर्वांचल की माटी क्षेत्रीय दलों से, क्षेत्रीय नेताओं से उर्वरक है। यहां की जनता जागरूक है। ऐसे में देखना यह होगा कि पूर्वांचल से कौन विजयी होता है और कौन सत्ता का मुकुट पहनता है, क्योंकि जीत का रास्ता यहीं से निकलेगा। पूर्वांचल में राज्य के दस जिले आते हैं, जिनमें 61 विधानसभा क्षेत्र हैं। बलिया की सात सीटों पर छठे चरण में तीन मार्च को मतदान होगा,जबकि बनारस समेत चंदौली, गाजीपुर, मीरजापुर, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़ और सोनभद्र की 54 सीटों पर सात मार्च को मतदान होगा।

योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री कार्यकाल में पूर्वांचल के लिए बहुत से विकास कार्य हुए हैं। राज्य के पूर्वी क्षेत्र को पूरे देश से जोड़कर विकास के मार्ग को प्रशस्त करने के लिए लगभग 341 किलोमीटर लम्बे और छह लेन चौड़े पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया गया। एक्सप्रेस-वे पर प्रवेश व निकासी के लिए 11 इंटरचेंज का प्रावधान किया गया। लड़ाकू विमानों की लैंडिंग व टेकऑफ के लिए सुल्तानपुर में 3.2 किलोमीटर लम्बी हवाई पट्टी का निर्माण किया गया। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को गोरखपुर से जोड़ने के लिए लगभग 92 किलोमीटर लम्बे गोरखपुर एक्सप्रेस-वे का निर्माण करवाया जा रहा है। इसका कार्य प्रगति पर है। 14 हजार करोड़ रुपये से लगभग 297 किलोमीटर लम्बे बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया जा रहा है। इससे बुन्देलखंड क्षेत्र आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के माध्यम से दिल्ली से जोड़ा जा सकेगा। मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लम्बे गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए पांच हजार एक सौ करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 93 प्रतिशत भूमि के अधिग्रहण का कार्य पूर्ण हो चुका है। यह उत्तर भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे होगा। इससे 594 किलोमीटर की यात्रा साढ़े छह घंटे में पूर्ण की जा सकेगी। अभी तक इतनी दूरी तय करने के लिए कम से कम 11 से 12 घंटे का समय लगता है। मेरठ से लखनऊ पहुंचने में केवल पांच घंटे लगेंगे। गंगा एक्सप्रेस-वे से मेरठ-प्रयागराज तक के 519 गांव जुड़ेंगे। एक्सप्रेस-वे छह लेन का होगा। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। इस पर 51 हजार करोड़ रुपये व्यय होंगे। इसे 26 महीनों में पूरा करने की योजना है। एक्सप्रेस-वे के निर्माण का प्रथम चरण 596 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें मेरठ, ज्योतिबा फुले नगर, हापुड़, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, फरुर्खाबाद, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ तथा प्रयागराज जिले सम्मिलित होंगे। गंगा एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले वाहनों की टॉप स्पीड 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित रहेगी। प्रस्ताव के अनुसार गंगा एक्सप्रेस-वे में 14 बड़े और 126 छोटे पुल बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त आठ रोड ओवरब्रिज और 18 फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। एक्सप्रेस-वे के रूट में पड़ने वाली गंगा नदी पर एक किलोमीटर का पुल और रामगंगा पर 720 मीटर लंबे पुल का निर्माण किया जाएगा। इस एक्स प्रेस-वे पर नौ जन सुविधा परिसर, दो मेन टोल प्लाजा और 12 रैंप टोल प्लापजा बनाए जाएंगे। एक्सप्रेस-वे के पास कई प्रकार के उद्योग खोलने की भी तैयारी है। इसके अतिरिक्त इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट तथा मेडिकल इंस्टीट्यूट की स्थापना भी होगी। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 के बजट में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए 1107 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए 1492 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे परियोजना के लिए 860 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना के भूमि ग्रहण के लिए 7200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई।

राज्य में हवाई सेवाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। ग्रेटर नोएडा में 1381 हेक्टेयर में अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहित की गई। इसका कार्य जारी है। कुशीनगर हवाई अड्डा उड़ान के लिए तैयार है। वर्ष 2017 तक केवल चार हवाई अड्डे लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर व आगरा थे। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रयागराज, कानपुर, हिंडन एवं बरेली हवाई अड्डे संचालित किए गए। इसके अतिरिक्त 13 अन्य हवाई अड्डे एवं एक हवाई पट्टी का विकास जारी है। इनमें अलीगढ़, आजमगढ़, श्रावस्ती, मुरादाबाद, चित्रकूट एवं म्योरपुर हवाई अड्डे शीघ्र पूर्ण होंगे। आगामी कुछ वर्षों में राज्य में 21 हवाई अड्डे संचालित होंगे। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 के बजट में अयोध्या के मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम हवाई अड्डे के लिए 101 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जेवर हवाई अड्डे में पट्टियों की संख्या दो से बढ़ाकर छह करने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना के लिए दो हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। राज्य के अनेक शहरों में लोगों को मेट्रो की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में मेट्रो का संचालन जारी है। आगरा में 3380 करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो के निर्माण का कार्य जारी है। मेरठ में भी मेट्रो का कार्य प्रगति पर है। गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज एवं झांसी में भी शीघ्र ही लाइट मेट्रो आरंभ की जाएगी। लखनऊ में आगे चरण में चारबाग से बसंत कुंज तक कुल 11.165 किलोमीटर मेट्रो मार्ग के निर्माण के लिए कार्यवाही प्रगति पर है।

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्त्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्त्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्त्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्किलग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेंसिल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिंग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईज्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

आदित्य नारायण और श्वेता अग्रवाल के घर आई नन्हीं परी

मुंबई (भाषा)। गायक आदित्य नारायण और उनकी अभिनेत्री पत्नी श्वेता अग्रवाल ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे एक बच्ची के मातापिता बन गए हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उनके घर 24 फरवरी को एक बिटिया का जन्म हुआ। आदित्य और श्वेता ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, श्वेता और मैं यह खुशखबरी साझा करके बेहद खुशी महसूस कर रहे हैं कि भगवान के आशीर्वाद से 24 फरवरी को हमारे यहां एक खूबसूरत बेटी का जन्म हुआ है। आदित्य और श्वेता दिसंबर 2020 में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने इसी साल जनवरी में श्वेता के गर्भवती होने की खबर साझा की थी। मशहूर गायक उदित नारायण के बेटे आदित्य 'दिल बेचारा' और 'राम लीला' जैसी फिल्मों में गाए गानों के लिए जाने जाते हैं, जबकि श्वेता विक्रम भट्ट निर्देशित हारर फिल्म 'शापित' व सुदीप अभिनीत कन्नड़ फिल्म 'किच्चा' में अपनी अदाकारी के जलवे बिखेर चुकी हैं।

हुनरबाज के सेट पर मिथुन ने हेमा मालिनी के साथ किया डांस

मुंबई (वार्ता)। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने लोकप्रिय रियलिटी शो हुनरबाज के सेट पर अभिनेत्री हेमा मालिनी के साथ डांस किया है। इस शो को परिणीति चोपड़ा, मिथुन चक्रवर्ती और करण जौहर जज करते हैं। हुनरबाज के आगामी एपिसोड में हेमा मालिनी जज बनकर आने वाली है। हेमा मालिनी कलाकारों को परफार्म करते हुए देखेंगी। इस अवसर पर हेमा मालिनी और मिथुन चक्रवर्ती का एक डांस परफार्मेंस भी होगा। हेमा और मिथुन इस अवसर पर अस्सी के दशक के गानों पर डांस करते नजर आएंगे। हुनरबाज में इसके पहले माधुरी दीक्षित और फराह खान भी नजर आ चुकी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव

अरुणाचल में शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार

ईटानगर (आईएएनएस)। उत्तर पूर्व जनजातियों की सुंदरता और संस्कृति को एक साथ लाते हुए, दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव अरुणाचल प्रदेश में शुरू होने के लिए तैयार है। यह पिक्च रटाइम के एमडीएमटी थिएटरों में आदिवासी कला और संस्कृति से संबंधित फिल्मों और वृत्तचित्रों को प्रदर्शित करने के लिए दिरांग नामक गांव में आयोजित किया जाएगा। इन फिल्मों को अरुणाचल प्रदेश में लाने पर विचार साझा करते हुए, पिक्च रटाइम डिजिप्लेक्स के संस्थापक और सीईओ सुशील चौधरी का कहना है कि इसके जरिए देश के उन क्षेत्रों और अंदरूनी हिस्सों में एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव लाना है जहां ऐसा अनुभव अभी भी एक दूर का सपना जैसा लगता है।

हमने अपने थिएटरों को दिरांग, अरुणाचल प्रदेश की खूबसूरत और सुदूर घाटी में लाकर एक और मील का पत्थर हासिल किया है। इसके साथ, फिल्मों को भारत के अंदरूनी हिस्सों तक ले जाने की हमारी यात्रा जारी है। इस महोत्सव का हिस्सा बनने वाली फिल्मों में असमिया फिल्म 'सेमखोर' (दीमासा भाषा में), 'क्रासिंग ब्रिजेज' शामिल हैं, जिन्होंने 2013 में शेरटुकपेन भाषा में सर्वश्रेष्ठ फिल्म फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था।

अन्य महत्वपूर्ण फिल्में जो इस महोत्सव का हिस्सा होंगी, वे हैं 'ए डाग एंड हिज मैन', राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता खासी फिल्म 'ओनाटाह', 2021 की प्रशंसित मणिपुरी फिल्म और 'सिजौ' एक बोडो भाषा की फिल्म है जो 1958 और अन्य तक भारत-भूटान सीमा पर प्रचलित सामंती भूमि कार्यकाल प्रणाली की अमानवीय क्रूरता पर प्रकाश डालती है। सुशील कहते है कि हमारे

इस महोत्सव का हिस्सा होंगी, वे हैं 'ए डाग एंड हिज मैन', राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता खासी फिल्म 'ओनाटाह', 2021 की प्रशंसित मणिपुरी फिल्म और 'सिजौ' एक बोडो भाषा की फिल्म है जो 1958 और अन्य तक भारत-भूटान सीमा पर प्रचलित सामंती भूमि कार्यकाल प्रणाली की अमानवीय क्रूरता पर प्रकाश डालती है

जैसे देश में, जहां सिनेमा के लिए प्यार अतुलनीय है, हर कोई सिनेमा देखने के साथ ही एक मल्टीप्लेक्स का हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव भी इस क्षेत्र के आने वाले प्रतिभाशाली फिल्म निर्माताओं के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्ष के साथ बातचीत करने के लिए एक शानदार मंच होगा।

उत्सव का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू आदिवासी फिल्मों के महत्व और पूर्वोत्तर में शूटिंग के पेशेवरों और विपक्षों पर पैनल चर्चा करना भी है। त्यौहार के मुख्य आकर्षण में से एक क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता साउंड डिजाइनर देबजीत गायन के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र होगा। अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित और फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित, आईटीएफएफ द।

कृति ने 'बच्चन पांडे' में निभाए गए अपने किरदार को लेकर बात की

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने हाल ही फिल्म में अपने चरित्र के बारे में बात की। कृति ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में, एक बार जब आप एक निश्चित संख्या में फिल्मों से गुजरते हैं, तो आप जितना सोचते हैं, उससे अधिक में उसमें डूब जाते हैं, बस देखते ही देखते आपको समझ में आने लगता हैं कि कैसे निर्देशक अपनी दृष्टि, अपनी प्रक्रिया और तौर-तरीकों को जीवंत बनाते हैं।

कृति ने कहा कि नियंत्रण की भावना उनके चरित्र के लिए उनका एंकर पॉइंट था। उन्होंने कहा कि मैंने कई प्रतिभाशाली निर्देशकों को देखा है। एक निर्देशक का हर चीज पर नियंत्रण होता है, वह जहाज का कप्तान होता है।

'भाबीजी घर पर हैं' के 7 साल

नई दिल्ली। (एसएनबी)। एण्डटीवी का कामेडी शो 'भाबीजी घर पर हैं' सात सालों से टेलीविजन में रहा है। इसके सात साल पूरे होने वाले हैं तो सभी ने केक काटकर जश्न मनाया। आसिफ शेख ऊर्फ विभूति नारायण मिश्रा कहते हैं, हम सबके लिए यह बहुत बड़ा मौका है। सबको बधाई कमाल का अनुभव रहा है। बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है। मुझे 300 से भी ज्यादा किरदार निभाने के मौके दिए, जिसकी वजह से पूरी दुनिया में मुझे पहचान मिली। शुभांगी अत्रे, ऊर्फ अंगूरी भाबी ने कहा, हमारे लिए बहुत मायने रखता है। हर किरदार अलग हटकर है। यह खास मौका है। रोहिताश्त गौड़ ऊर्फ मनमोहन तिवारी कहते हैं, मैं खुशकिस्मत महसूस किरदार इतना पसंद किया गया कि कई बार लोग मुझे रोहिताश्व की जगह तिवारी जी कह देते हैं और कई बार लोग मुझसे पूछते हैं, आपके कच्छे बनियान की दुकान कैसी चल रही है?

एक वेब सीरीज करना 3 फिल्मों में काम करने के बराबर

अतुल कुलकर्णी

मुंबई (आईएएनएस)। 'रुद्र' और 'ए थर्सडे' दो प्रोजक्ट में नजर आने वाले अनुभवी अभिनेता अतुल कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें वेब सीरीज करना ज्यादा अच्छा लगता है क्योंकि एक वेब सीरीज करना 3 फिल्मों में काम करने के बराबर है। अभिनेता हाल के दिनों में 'सिटी आफ ड्रीम्स', 'बंदिश बैंडिट्स', 'सैंडविच्ड फारएवर' और हाल ही में 'रुद्र' जैसी कुछ सफल वेब सीरीज का हिस्सा बने हैं। वह डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज हुई फिल्म 'ए थर्सडे' में भी नजर आ चुके हैं। अतुल ने कहा, एक ओटीटी प्रोजक्ट पर काम करने का सबसे दिलचस्प हिस्सा यह है कि किरदार और उसकी कहानी को एक विस्तारित लंबाई की अनुमति देता है। यह किसी भी लेखक, निर्देशक के साथ-साथ अभिनेता के लिए भी एक सच्चाई है। मेरे जैसे अभिनेता को एक विस्तृत सीक्वेंस के माध्यम से अपनी कहानी दिखाने के लिए ज्यादा मौके मिले हैं। मुझे लगता है कि एक वेब शो करना बालीवुड की दो या तीन फिल्मों में काम करने के बराबर है। उन्होंने आगे कहा, मुझे यह महसूस करने का सौभाग्य मिला है कि मैं सही समय पर सही जगह पर काम कर रहा हूं। यह एक बहुत अच्छा एहसास है जब लोग आपको आपके हालिया प्रोजेक्ट से जोड़ते हैं और आपके किरदारों की सराहना करते हैं।

प्लास्टिक कचरे से बनाए जा रहे नए जूते!

नई दिल्ली (एसएनबी)। वर्तमान समय में प्लास्टिक प्रदूषण एक बहुत ही बड़ी समस्या है और इसे कम करने का सबसे बढ़िया तरीका है कि प्लास्टिक कचरे को रीसायकल करके उसे लैंडफिल पहुँचने से रोका जाए। हरियाणा के आशय भावे द्वारा शुरू किया गया फुटवियर स्टार्ट-अप 'थैली' ज़ीरो-वेस्ट शूज़ बनाता है जो प्लास्टिक की थैलियों, प्लास्टिक की बोतलों और रीसायकल किये हुए रबर से बने होते है। इस युवा फुटवियर डिजाइनर ने प्रदूषण से लड़ने के लिए यह क्रिएटिव समाधान खोजा है। उनकी इस पहल का सोमवार को रात 8 बजे हिस्ट्री टीवी 18 पर प्रसारण होने जा रहा है। 23 वर्षीय आशय ने न्यूयॉर्क में फुटवियर डिज़ाइन की पढ़ाई पूरी करने के बाद, इस क्षेत्र में अपने ज्ञान और प्लास्टिक कचरे से जूते बनाने के अपने आईडिया को स्वरुप देने के उद्देश्य के साथ हरियाणा के गुरुग्राम में 'थैली' की शुरुआत की। उनकी कंपनी के बनाए प्रो स्नीकर्स की हर जोड़ी को बनाने में 10 प्लास्टिक बैग और 12 प्लास्टिक की बोतलें लगती है और जूते का सोल रीसायकल रबर से बना होता है।

वरुण धवन ने सारा संग थ्रोबैक तस्वीर शेयर की

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता वरूण धवन ने सारा अली खान के साथ थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है। वरुण धवन ने सारा अली खान के साथ कुली नंबर वन की शूटिंग के समय की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरूण को लड़की के अवतार में देखा जा सकता है। वरुण धवन ने फोटो शेयर करते हुए लिखा है, यदि मैं सच बात कहूं मुझे लड़की की तरह नजर आना था और सारा अली खान बहुत उत्साहित थी।

वरुण की पोस्ट पर बालीवुड के कई कलाकारों ने इमोजी शेयर की है। वही सारा अली खान ने लिखा है, यह करने में काफी मजा आया था। वरुण धवन जल्द फिल्म जुग जुग जियो में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा नीतू कपूर, अनिल कपूर और कियारा आडवाणी की अहम भूमिका होगी। सारा अली खान जल्द विकी कौशल के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी।

सूर्या ने चिरंजीवी को अपनी प्रेरणा बताया

हैदराबाद (आईएएनएस)। अपनी अपकमिंग फिल्म ईटी के प्रचार के लिए हैदराबाद पहुंचे तमिल स्टार सूर्या शिवकुमार ने रिलीज से पहले के कार्यक्रम में तेलुगु मेगास्टार चिरंजीवी की जमकर तारीफ की। सूर्या ने कहा कि चिरंजीवी के ब्लड बैंक से प्रेरित होकर उन्होंने एक एनजीओ शुरू करने की प्रेरणा ली है। गजनी अभिनेता देश के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने अगरम फाउंडेशन के माध्यम से पूरे तमिलनाडु में परोपकारी गतिविधियों का हिस्सा रहे हैं।

हैदराबाद में अपने फिल्म कार्यक्रम में, सूर्या ने जोर देकर कहा, अगर चिरंजीवी सर, चाहे, तो मैं उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों में कम से कम 1-2 प्रतिशत का योगदान देना चाहूंगा। सूर्या ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने सामूहिक रूप से अपने फाउंडेशन के माध्यम से 5,000 छात्रों को शिक्षित करने में कामयाबी हासिल की है। वर्कफ्रंट पर बात करें तो, सूर्या अपनी आगामी फिल्म एथरक्कुम थुनिंथवन की बड़ी रिलीज के लिए कमर कस रहे हैं, जिसे तेलुगु में ईटी के रूप में डब किया गया है।

सूप में मनोज व कोंकणा शामिल हुए

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी और कोंकणा सेन शर्मा फिल्म निर्माता अभिषेक चौबे की आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज 'सूप' में दिखाई देंगे। 'रात अकेली है' और 'रे' के बाद नेटफ्लिक्स में वापसी करने वाले चौबे ने कहा कि 'सूप' के लिए नेटफ्लिक्स के साथ काम करना वास्तव में रोमांचक रहा है और मैं दुनिया भर के दर्शकों के साथ अपनी कहानी साझा करने के लिए रोमांचित हूं।

एक सच्ची घटना पर आधारित, सूप स्वाति शेट्टी (कोंकणा सेनशर्मा) की कहानी है, जो एक अक्षम रसोइया है, जो अपना खुद का एक रेस्तरां बनाने का सपना देखती है और उसका पति, प्रभाकर (मनोज बाजपेयी) उसकी मदद नहीं करता है। उसकी आकांक्षाएं और उसके अपने संदेह हैं। जल्द ही भाग्य उसे एक मौका देता है और वह एक मास्टर प्लान तैयार करने लगती है, लेकिन चीजें सोच के अनुसार नहीं होती हैं।

निर्देशक ने आगे कहा कि मनोज, कोंकणा और सूप की पूरी कास्ट और क्रू के साथ शूटिंग करने का हमारा अनुभव शानदार रहा है, हम इस आकर्षक चरित्रों को प्रदर्शित करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। डार्क-कामेडी अपराध श्रृंखला मैकगफिन पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'सूप'।

व्यस्त होना सबसे बड़ा आशीर्वाद

सिकंदर खेर

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता सिकंदर खेर कोलकाता और मुंबई में निर्धारित दो परियोजनाओं की शूटिंग के लिए लगातार सफर कर रहे हैं। अभिनेता अपने सहकलाकार जैकी श्रॉफ के साथ थ्रिलर वेब सीरीज, चिड़िया उड़ की शूटिंग में व्यस्त हैं और कोलकाता स्थित निर्देशक द्वारा निर्देशित कोलकाता से बाहर एक विशाल ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए एक और अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट कर रहे है।

इस तरह के डिमांडिंग शूट शेड्यूल को मैनेज करने की कोशिश करने पर, सिकंदर का यह कहना है कि मैं इस तरह के टाइट शूट शेड्यूल पर काम करने पर भाग्यशाली महसूस करता हूं। व्यस्त होना किसी भी अभिनेता के लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद होता है और यह मुझे मेरे पिता की भी याद दिलाता है। अभिनेता ने याद किया कि कैसे वह पूरे दिन काम में व्यस्त रहते थे और खुद को व्यस्त रखते थे। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए खुशी होती है। सिकंदर ने आगे कहा कि जहां तक इस पर ब्रेक लेने की बात है, हां कायाकल्प भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब भी मुझे अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच में एक ब्रेक पकड़ने का समय मिलता है, तो मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मैं इसे स्वस्थ तरीके से करूं।

विद्या-शेफाली की 'जलसा' का टीजर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री विद्या बालन और शेफाली शाह की ड्रामाथ्रिलर जलसा का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म जलसा का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। जलसा एक जानी-मानी पाकार और उसकी कुक के जीवन के माध्यम से सुनाई गई संघर्ष की एक बेहद दिलचस्प और अनोखी कहानी है। जलसा का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में विद्या का दमदार लुक देखने को मिल रहा है। विद्या बालन ने थ्रिलर फिल्म 'जलसा' का टीजर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है, कहानी के अन्दर एक कहानी को उजागर करने के लिए तैयार हो जाइए।

महिला जज को अपशब्द कहने वाले वकील ने मांगी माफी

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महिला जज से अभद्रता की बिना शर्त माफी मांगने पर वकील के खिलाफ अवमानना मामले का निस्तारण कर दिया। वकील ने अदालत में एक महिला न्यायाधीश को अपशब्द कहा था। कोर्ट ने वकील पर दो हजार रुपये का जुमार्ना लगाया, जिसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मऊ में जमा करना होगा। इसके अलावा अवमानना करने वाले अधिवक्ता को उसके आचरण और व्यवहार के संबंध में दो साल की अवधि के लिए निगरानी में रखा जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की खंडपीठ ने दिया है। अवमाननाकर्ता अधिवक्ता कृष्ण कुमार यादव ने मऊ में एक महिला न्यायाधीश के खिलाफ कुछ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था जब वह मार्च 2019 में कोर्ट के समक्ष एक पक्ष द्वारा की गई शिकायत को सुन रही थीं। हाईकोर्ट द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप में स्पष्ट रूप से कहा गया है अधिवक्ता ने अपने आचरण से अदालत का अपमान किया है और अदालत के अधिकार को कम करने की कोशिश की है। न्यायिक कार्यवाही के उचित कार्य में भी बाधा डाली है और हस्तक्षेप किया है। अवमाननाकर्ता अधिवक्ता कृष्ण कुमार यादव ने मऊ में एक

महिला न्यायाधीश के खिलाफ कुछ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था जब वह मार्च 2019 में कोर्ट के समक्ष एक पक्ष द्वारा की गई शिकायत को सुन रही थीं। हाईकोर्ट द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप में स्पष्ट रूप से कहा गया है अधिवक्ता ने अपने आचरण से अदालत का अपमान किया है और अदालत के अधिकार को कम करने की कोशिश की है। न्यायिक कार्यवाही के उचित कार्य में भी बाधा डाली है और हस्तक्षेप किया है। विशेष रूप से तब, जब वह बार के पूर्व अध्यक्ष थे और 32 साल से प्रैक्टिस कर रहे हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि बार के एक वरिष्ठ सदस्य से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वह अदालत में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करे, जो अनुशासन को गंभीर रूप से कमजोर करता है। हाईकोर्ट ने मामले में नरमी बरतते हुए दो हजार रुपये का जुमार्ना लगाया और मामले का निस्तारण किया। हालांकि कोर्ट ने कहा कि यदि अधिवक्ता एक महीने के भीतर जुमार्ना जमा नहीं करता तो उसे छह महीने की अवधि के लिए कोर्ट परिसर में प्रवेश करने और किसी भी मामले में पेश होने से रोक दिया जाएगा।

प्रशासन ने वर्ष 2022-23 की एक्साइज पॉलिसी जारी की

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन ने वर्ष 2022-23 की एक्साइज पॉलिसी जारी कर दी। एक्साइज ड्यूटी 5.5 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला लिया है। साथ ही प्रशासन ने शराब पर अब नए सैस की शुरूआत भी कर दी है। ई-व्हीकल पॉलिसी के तहत शराब पर ई-व्हीकल सैस लगाने का भी फैसला लिया गया है, जो प्रति बोतल अलग-अलग 2 से 40 रुपए तक होगा। इनपुट लागत और करों को ध्यान में रखते हुए मिनिमम रिटेल सेल प्राइस (एमआरपी) को 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे दाम 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ने तय हैं। शहर में नाइट लाइफ को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी में अतिरिक्त लाइसैंस फीस देने पर रैस्टोरैंट, बार और होटल का समय दो घंटे बढ़ा दिया गया है। अब बार व रैस्टोरैंट्स को तड़के 3 बजे तक खोला जा सकेगा। नई एक्साइज पॉलिसी 1 अप्रैल से लागू होगी और ठेकों की अलॉटमैंट के बाद ही सही रेट्स निर्धारित होंगे, जिनकी मार्च के दूसरे सप्ताह से अलॉटमैंट प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने 2022-23 की एक्साइज पॉलिसी को अप्रूवल दी। इससे पहले सलाहकार, एक्साइज एंड टैक्सेशन सैक्रेटरी और अन्य सीनियर अधिकारियों ने प्रशासक को विस्तार से 2022-23 की एक्साइज पॉलिसी के बारे में जानकारी दी। इस बार प्रशासन ने पिछले साल के मुकाबले रैवेन्यू को भी अधिक दशार्या है। साथ ही हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री और टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इस बार होटल, बार, रैस्टोरैंट की लाइसैंस फीस में बढ़ोत्तरी नहीं की गई है।

दुनिया के 35 देशों के पास 443 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर, अमेरिका के पास सर्वाधिक 93

नई दिल्ली। रूस- यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन और यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र में आग के बाद पूरी दुनिया सहम गई। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन में चार परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के साथ 15 रिएक्टर हैं जो युद्ध के हालात के बीच घातक हो सकते हैं। रिपोर्ट की मानें तो दुनिया के 35 मुल्कों में कुल 443 रिएक्टर हैं जहां दुनिया की कुल 10 फीसदी बिजली का उत्पादन होता है। अमेरिका के पास सर्वाधिक 93 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर हैं। फ्रांस के पास 56, चीन के पास 51 और रूस के पास 38 रिएक्टर हैं। भारत 23 रिएक्टर के साथ दुनिया में सातवें नंबर पर है। आईएईए के अनुसार भारत, चीन, रूस, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड और फ्रांस समेत कुल 20 देशों में अभी 54 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर

निमार्णाधीन हैं। चीन दुनिया में सबसे अधिक रिएक्टर बनाने वाला है देश है, जहां अभी 50 रिएक्टर संचालित हो रहे हैं। वहीं, 13 का निर्माण कार्य जारी है। इसी तरह भारत में सात से अधिक परमाणु संयंत्रों का निर्माण कार्य चल रहा है। यूरोपीय संघ के 27 देशों में से 13 के पास परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। यहां कुल 107 रिएक्टर संचालित हैं जहां पूरे संघ में उपभोग होने वाली बिजली का 26 फीसदी भाग का उत्पादन होता है। स्लोवाकिया, फिनलैंड और फ्रांस में चार ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण कार्य जारी है। फ्रांस यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा देश हैं जहां सबसे अधिक 56 क्रियाशील रिएक्टर हैं। 1986: यूक्रेन के चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हादसा हुआ। इसकी रेटिंग सात थी। जो इतिहास का सबसे भयावह हादसा माना जाता है। हादसे में सीधे तौर पर 100 लोगों की मौत हुई थी जबकि लंबे समय तक जानमाल का नुकसान होता रहा।

मौत की सांस ले रहे हैं 93 फीसदी भारतीय वायु प्रदूषण की वजह से 1.5 साल कम हुई जीवन प्रत्याशा

नई दिल्ली। भारत में 93 प्रतिशत भारतीय मौत की सांस ले रहे हैं, यानी वे ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों से अधिक है। हाल में जारी एक वैश्विक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट से पता चला है कि इसके परिणामस्वरूप भारत में जीवन प्रत्याशा लगभग 1.5 वर्ष कम हो गई है। हाल में हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (एचईआई) द्वारा वार्षिक स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर नाम की रिपोर्ट जारी की गई है। इस अध्ययन से पता चला है कि 2019 में 83 माइक्रोग्राम / क्यूबिक मीटर (मिलीग्राम/घन मीटर) की औसत वार्षिक जनसंख्या-भारित पीएम 2.5 के साथ, भारत में पीएम 2.5 को 9,79,700 मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। रिपोर्ट से पता चला है कि दुनिया की लगभग 100 प्रतिशत आबादी उन क्षेत्रों में रहती है, जहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों से अधिक है, जो कि औसत वार्षिक पीएम 2.5 एक्सपोजर स्तर 5 मिलीग्राम /घन मीटर है। औसतन, दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी उन क्षेत्रों में रहती है जहां ओजोन का स्तर 2019 में डब्ल्यूएचओ के सबसे कम कड़े अंतरिम लक्ष्य से अधिक था। लेखकों ने अध्ययन में लिखा, वायु प्रदूषण दुनियाभर में मौतों और विकलांगता के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। अकेले 2019 में वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से 6.7 मिलियन मौतें हुईं।

केंद्रीय दवा प्राधिकरण के विशेषज्ञ पैनल ने बच्चों के लिए की कोवोवैक्स के आपात प्रयोग की सिफारिश

नई दिल्ली। केंद्रीय दवा प्राधिकरण के एक विशेषज्ञ पैनल ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) की कोविड-19 वैक्सीन कोवोवैक्स को 12 से 17 वर्ष के किशोरों के लिए आपातकालीन उपयोग को मंजूरी देने की सिफारिश की है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने 28 दिसंबर को वयस्कों में आपातकालीन स्थिति में नियंत्रित उपयोग के लिए कोवोवैक्स को मंजूरी दी थी।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने 21 फरवरी को डीसीजीआई को एक आवेदन भेजा था। जिसमें 12 से 17 साल के आयु वर्ग के लिए कोवोवैक्स के आपात उपयोग की मंजूरी मांगी गई थी। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति ने शुक्रवार को एसआईआई के आवेदन पर विचार किया और कोवोवैक्स के आपात उपयोग को मंजूरी देने की सिफारिश की। सूत्रों ने बताया इस सिफारिश को मंजूरी के लिए डीसीजीआई के पास भेजा जाएगा। कोवोवैक्स के आपात उपयोग के लिए मंजूरी के आवेदन में कंपनी ने कहा है कि 12 से 17 वर्ष की आयु के लगभग 2,700 बच्चों पर दो अध्ययनों के डेटा से पता चलता है कि कोवोवैक्स बच्चों के इस आयु वर्ग में अत्यधिक प्रभावी, प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ाने वाली और सुरक्षित है। गौरतलब है कि कोवोवैक्स को नोवावैक्स से टेक्नोलॉजी के हासिल कर-के बनाया गया है। इसे यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी से अनुमोदन हासिल है। फिलहाल भारत में 15-18 साल के किशोरों का टीकाकरण करने के लिए भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का उपयोग किया जा रहा है।

ट्रांसवुमन ने जीती अपनी जंग अब परिवार ने दिया पूरा सम्मान

तिरुवनंतपुरम। निशा विरुद्धा केरल की रहने वाली ट्रांसपर्सन है, आज से 3 साल पहले तक उन्होंने यह नहीं सोचा होगा कि वह कभी अपने घर लौट पाएंगी। लेकिन उनके घरवालों ने ना सिर्फ उन्हें घर पर बुलाकर उनका स्वागत किया, बल्कि अपने गुस्से को दरकिनार करते हुए अपनी बेटी के लिए मंजल नीर कार्यक्रम (लड़की के कोमार्य में प्रवेश करने पर किया जाने वाला कार्यक्रम) का आयोजन भी किया। आमतौर पर इस तरह के आयोजन किसी ट्रांसपर्सन के लिंग पुष्टि के ऑपरेशन के बाद किए जाते हैं। निशा की मां के अमुधा का कहना था कि हमने इसे अभी करने का फैसला लिया। इस आयोजन में 21 साल की निशा को रिश्तेदारों और उसके दोस्तों ने बधाइयां दी। आयोजन में उसके रिश्तेदारों ने तमाम रिवाजों को निभाते हुए उसे आशीर्वाद दिया। इस दौरान निशा के स्कूल के दौस्त भी मौजूद थे।

विरुद्धाचलम में रहने वाले स्थानीय निवासी का कहना है कि निशा दिहाड़ी मजदूर कोलांजी (46) और अमुधा की बेटी है। निशा विरुधाचलम के एक निजी स्कूल में पढ़ती थी फिर बाद में वह हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए तिरुची चली गई थी। निशा बताती हैं कि स्कूल के बाद वह घर पर रहती थी और घर का काम संभालती थी। उनका कहना है कि उन्हें हमेशा लड़कियों के साथ खेलना पसंद आता था। जब उनके घरवालों ने उन्हें इसके लिए डांटा या उनके लड़कियों के साथ खेलने पर एतराज किया तो उन्होंने बताया कि वह अंदर से खुद को एक लड़की की तरह ही महसूस करती हैं।

सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में लगी आग इंजन सहित दो डब्बे हुए जलकर राख

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में शनिवार की सुबह मेरठ के दौराला स्टेशन पर अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन के ब्रेक जाम होने के चलते यह हादसा हुआ। आग की तेज लपटों से ट्रेन के इंजन सहित दो डिब्बे जलकर राख हो गए। यूपी के सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में शनिवार की सुबह मेरठ के दौराला स्टेशन पर अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन के ब्रेक जाम होने के चलते यह हादसा हुआ। आग की तेज लपटों से ट्रेन के इंजन सहित दो डिब्बे जलकर राख हो गए। ट्रेन से उतरकर अपनी जान बचाने वाले यात्रियों ने बताया कि देवबंद से ही उन्हें कुछ आवाज सुनाई दे रही थी। दुर्गंध भी महसूस हो रही थी। लेकिन तब किसी को इसकी वजह समझ नहीं आई। फिर अचानक सीट के नीचे से धुआं निकलना शुरू हो गया। कुछ यात्रियों का कहना है कि उन्होंने इंजन में मौजूद ड्राइवर तक धुआं निकलने की बात पहुंचाने के लिए काफी शोर मचाया लेकिन बात उन तक पहुंच नहीं सकी।

यूपी में सातवें चरण के लिए थमा प्रचार, दिग्गजों ने झोंकी ताकत

वाराणसी। यूपी के 6 चरणों में 349 विधानसभा सीटों पर चुनाव खत्म हो चुके हैं और अब अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार थम गया है। 7वें फेज में पूर्वांचल के आजमगढ़ से वाराणसी तक के 9 जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर 7 मार्च को मतदान होना है, जहां पर 613 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होना है। यूपी में सत्ता के लिहाज से यह सबसे अहम है, जिसके चलते बीजेपी से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस ने अपनी-अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पूर्वांचल के इस फाइनल जंग में सभी पार्टियों ने अपने दिग्गजों को चुनावी प्रचार में पूरी तरह से उतार दिया है और आक्रामक तौर पर सभी प्रचार कर रहे हैं। सातवें चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी मतदान होना है। इसके साथ ही अखिलेश यादव के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ की विधानसभा सीटें भी इसी चरण में हैं। सातवें चरण में 9 जिलों की 54 सीटों पर 7 मार्च को वोटिंग होगी। वहीं आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, संत रविदास नगर, चंदौली, मिजार्पुर और सोनभद्र जिले शामिल है। उधर, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यूपी चुनाव में अपनी पहली और आखिरी रैली बनारस में की थी। भाजपा को चुनौती देने के लिए सपा गठबंधन के सारे नेता मंच पर मौजूद थे।

ममता दो दिन वाराणसी में रहीं और इस दौरान यहां रहने वाले बंगालियों से मुलाकात की थी। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वाराणसी में प्रचार के दौरान भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 से पीएम हैं और उन्होंने रोजगार, दो करोड़ नौकरियां देने, किसानों की आय दोगुनी करने, काला धन मिटाने और 15 लाख रुपये देने की बात की थी, लेकिन अब इन चुनावों में वो रोजगार, नौकरी और किसानों की आय की बात क्यों नहीं करते हैं? हालांकि, इस बार पूर्वांचल के सियासी हालात थोड़े बदले हुए हैं। छोटे दलों में सुभासपा ने इस बार समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनावी मैदान में है। सातवें चरण में बसपा का भी अपना अच्छा खासा जनाधार है, जिसके दम पर जीत की आस लगाए हैं। सातवें चरण में जिन सीटों पर चुनाव हैं, वहां पर 2017 के विधानसभा चुनाव को छोड़ दें, तो जातिगत समीकरण चरण 90 के दशक से हमेशा प्रभावी रहे हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में सातवें चरण इन 54 सीटों में से बीजेपी और उसके सहयोगियों ने 36 सीटें जीती थीं, जिनमें बीजेपी को 29, अपना दल (एस) को 4 और सुभासपा को 3 सीटें मिली थी। वहीं, सपा ने 11 सीटें, बसपा ने 6 सीटें और निषाद पार्टी ने एक सीट जीती थी। कांग्रेस खाता नहीं खोल सकी थी। हालांकि, इस बार ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी से नाता तोड़कर सपा के साथ हाथ मिला लिया है तो निषाद पार्टी ने बीजेपी से गठबंधन कर रखा है।

सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मार आत्महत्या की

चंदौली। यूपी के चंदौली जिले में विधानसभा चुनाव कराने आए सीआरपीएफ के जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सीआरपीएफ और चकिया कोतवाली की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है, हालांकि सीआरपीएफ के अफसर इस मामले में कुछ बोलने से बच रहे हैं। सीआरपीएफ की अल्फा 08 उड़ीसा बटालियन की कंपनी चकिया कोतवाली के शिकारगंज स्थित एसआरबीएस स्कूल में रुके हुए हैं। कंपनी पर विधानसभा चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। इसी कंपनी के साथ सीआरपीएफ में तैनात केरल प्रांत के कुन्नूर जिले के विपिन दास 38 वर्षभी आए थे। देर रात खाना खाने के बाद सभी जवान बैरक में सो रहे थे तभी अचानक गोली चलने की आवाज से लोग सन्न रह गए। लोग विपिन दास के पास पहुंचे तो उनके सिर से खून निकल रहा था और उनका इंसास राइफल और एक खाली बुलेट बगल में गिरी हुई थी।

पुलिस मुठभेड़ में इनामी सतीश सिंह ढेर, एके-47 से करता था फायरिंग

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले में पुलिस ने मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश को ढेर कर दिया है। जबकि उसका दूसरा साथी फरार हो गया। एनकाउंटर में दोनों बदमाशों द्वारा पुलिस पर एके-47 जैसे घातक अत्याधुनिक हथियार से गोली चलाने की बात सामने आ रही है। जिसमे 2 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। हिस्ट्रीशीटर बदमाश सतीश सिंह प्रिंस पर करीब 2 दर्जन से अधिक लूट और हत्या जैसे संगीन अपराध के मामले दर्ज हैं। बदमाश सतीश सजायाफ्ता कैदी था, जोकि बीते 12 सालों से फरार चल रहा था। मुठभेड़ में घायल हुए पुलिसकर्मियों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। हिस्ट्रीशीटर सतीश सिंह डी-63 गैंग का सदस्य था। उसके पास से पुलिस ने मुठभेड़ मे एक एके-47, एक 9 एमएम पिस्टल, भारी मात्रा में गोलियां और एक बाइक बरामद हुई है। जानकारी के मुताबिक, सरपतहां थाना पुलिस व एसओजी को मुखबिर से सूचना मिली कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मनिया गांव निवासी शातिर अपराधी सतीश कुमार सिंह प्रिंस मौजूद है। सूचना पर सीमावर्ती जिले सुल्तानपुर की भी पुलिस आ गई। घेराबंदी कर आत्मसमर्पण के लिए कहे जाने पर सतीश सिंह प्रिंस पुलिस टीम को लक्ष्य कर गोलियां चलाने लगा। दो सिपाही घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं। सतीश सिंह प्रिंस गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी, सीओ शाहगंज अंकित कुमार भी मौके पर आ गए। जिला मुख्यालय से फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस घायल अपराधी व सिपाहियों को अलग-अलग वाहनों से उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गई। जिला अस्पताल में सतीश सिंह प्रिंस को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बता दें कि जौनपुर जिले के शातिर बदमाश सतीश सिंह पर जौनपुर समेत कई जिलों में हत्या, लूट जैसे कई दर्जन मामले दर्ज थे। सतीश हत्या के मामले में सजायाफ्ता कैदी था।

क्वाड की बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित रहा: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि क्वाड की बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित रहा, हालांकि यूक्रेन में स्थिति पर भी चर्चा की गई। क्वाड के नेताओं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के उनके समकक्ष फुमियो किशिदा ने वर्चुअल बैठक की थी जिसमें यूक्रेन संकट पर भी चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक मीडिया सम्मेलन में कहा कि आपस में अच्छे संबंध रखने वाले नेताओं के लिए बैठक करते हुए सामयिक मुद्दों पर चर्चा करना स्वाभाविक होता है। उन्होंने कहा कि जैसा कि आपने वक्तव्यों में देखा है स्वाभाविक रूप से यूक्रेन पर चर्चा की गई लेकिन मैं बता दूं कि हिंद-प्रशांत क्वाड के एजेंडे का मुख्य बिंदु है और आप सभी चारों देशों की सकारात्मक गतिविधियों, पहलों और प्रयासों में इसे देखेंगे। बागची ने कहा कि बैठक का संदेश बहुत स्पष्ट था कि यूक्रेन में संकट के बावजूद चारों देश क्वाड का एजेंडा आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

योगी सरकार ने मऊ और गऊ को सताया है : अखिलेश यादव

घोसी, मऊ। प्रदेश की योगी सरकार युवाओं व छात्रों पर लाठी बरसाकर उनकी गर्मी निकालने की बात करती है। लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर छात्रों व युवाओं के लिये भर्ती निकालने का काम करेगी। इस विधान सभा

साइकिल और छड़ी मिलकर बाबा मुख्यमंत्री की गर्मी निकाल दी है

चुनाव के छह चरणों में हुए चुनाव में प्रदेश की जनता प्रदेश की तानाशाह योगी सरकार को उखाड़ फेंकने का जनादेश दे चुकी है। सातवें चरण में किसान, बुनकर, युवा, छात्र व बेरोजगार लामबंद होकर इन जुमलेबाज भाजपा को सबक सिखाने के लिये 7 मार्च को मतदान करने जा रही है। उक्त बातें सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को घोसी विधान सभा क्षेत्र के कोपागंज स्थित बापू इंटर कालेज के मैदान में सपा व

गठबंधन उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि योगी शासन में मऊ और गऊ दोनों को सताया गया है। पांच चरण के चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद भाजपा नेता छठें चरण में सपा उम्मीदवारों पर हमले कर रही है। भाजपा अपनी हार मान चुकी है, तभी तो उसके उम्मीदवार कान पकड़ कर उठा बैठक व तेल मालिश कर जनता से क्षमा याचना कर रहे हैं। लेकिन किसान आंदोलन के तहत लाठी खाने वाले व फर्जी मुकदमें झेलने वाले किसान, अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे छात्र इस सरकार के बर्बर लाठीचार्ज को माफ नहीं करने वाले हैं और इसका परिणाम आगामी दस मार्च को देखने को मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली फ्री, किसानों की सिंचाई फ्री के साथ जनता को अनाज के साथ एक किलो सरसों का तेल, घी, दूध व चीनी भी मिलेगी।समाजवादी पार्टी की सरकार ने पहले भी लैपटॉप

दिया और इस बार भी पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को लैपटॉप, टैबलेट व स्मार्टफोन देने का काम करने के साथ पुरानी पेंशन योजना लागू करेगी। क्योंकि रिटायरमेंट के बाद पेंशन ही बुढ़ापे की लाठी होती है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने अपने चिर परिचित अंदाज में भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि इन देश में अगर सबसे बड़े झूठा कोई है तो वो भाजपा के लोग हैं। पिछड़ों को सब्जबाग दिखाकर लोकसभा व विधान सभा चुनाव में उनको ठगने का काम करने के बाद सरकार बनाई। लेकिन सरकार बनने के बाद भाजपा सरकारों ने अपनी सामंती व तानाशाही सोच को दिखाया। योगी आदित्यनाथ ने अपने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को स्टूल पर बिठाकर अपनी मनुवादी सोच को भरी सभा में दिखाया। श्री राजभर ने कहा कि आने वाला दस मार्च योगी आदित्यनाथ को उनकी सही जगह पर भेज देगा और सपा मुखिया अखिलेश यादव दो तिहाई बहुमत के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगें।

जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव की अध्यक्षता व पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव साधु के संचालन में चली इस जनसभा को मुख्य रूप से घोसी उम्मीदवार दारा सिंह चैहान, उम्मीदवार उमेशचंद्र पांडेय, मुहम्मदाबाद गोहना उम्मीदवार राजेन्द्र कुमार व मऊ सदर उम्मीदवार अब्बास अंसारी, पूर्व मंत्री चन्द्रदेव राम यादव उर्फ करैली, राष्ट्रीय सचिव राजीव राय, रामहरि चैहान, अल्ताफ अंसारी, पूर्व सांसद सावित्री बाई फुले, चन्द्रदेव प्रसाद राजभर, धर्मप्रकाश यादव, अंशा यादव, पूनम यादव, शकील नदवी आदि ने सम्बोधित किया।

युवाओं ने तोड़ा बैरीकेटिंग- सपा द्वारा आयोजित जनसभा में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। युवाओं के जोर ने जनसभा के दौरान बनाये गए बैरिकेटिंग तक टिका था लेकिन जब सपा मुखिया अखिलेश यादव का हेलीकाप्टर जनसभा स्थल पर पहुँचा तो युवा द्वारा दो लेयर की बैरिकेटिंग तोड़ जनसभा मंच तक पहुंच गये। वहां सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों को उन्हें शान्त करने व मंच की सुरक्षा में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कार्यकर्ताओ ने मीडिया गैलरी पर किया कब्जा- सपा मुखिया अखिलेश यादव को देखने के चक्कर में सपा के युवा कार्यकताओं ने जहां मीडिया गैलरी तक में कब्जा कर लिया वहीं सैकडों कुर्सियां भी टूट गई। भगदड़ से भयभीत पत्रकारों ने अपना कैमरा व स्वयं को सुरक्षित करते हुए किनारे हुए। कई पत्रकारों के कैमरा व मोबाइल टूटे कई को हल्की फुल्की चोटें आई।

दो घण्टे लगा जाम- सपा मुखिया अखिलेश यादव की जनसभा समाप्त होने के बाद कोपागंज नेशनल हाईवे लगभग दो घण्टे जाम के झाम से जूझता रहा। लगभग पांच किलोमीटर दूर तक सहरोज मोड़ से भातकोल मोड़ तक दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रही। जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

आईपीएल के पहले सत्र में राजस्थान को बनाया था चैंपियन

थाईलैंड के कोह समुई में बेजान पाए गए ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वार्न

जन्म : 13/9/1969 मृत्यु : 4/3/2022

- 145 टेस्ट मैचों में चटकाए 708 विकेट
- 37 बार टेस्ट पारी में 5 विकेट
- 10 बार मैच में 10 विकेट हासिल किए
- 194 वनडे मैचों में 293 विकेट झटके

'विजडन' में नाम शामिल

भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पहला टेस्ट खेलने वाले वॉर्न को 1992 से 2007 के बीच उनकी अतुल्य उपलब्धियों के लिए विजडन ने शताब्दी के पांच क्रिकेटरों में चुना था। उन्हें 2013 में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। वॉर्न 1999 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य थे। उन्होंने एशेज क्रिकेट में सर्वाधिक 195 विकेट लिए थे।

आईपीएल में कप्तान और कोच के रूप में रचा इतिहास

इंडियन प्रीमियर लीग इस समय दुनिया की सबसे बड़ी लीग है। शेन वॉर्न आईपीएल टाइटल जीतने वाले पहले कप्तान बने थे। 2008 में उन्होंने अपनी कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स को खिताब दिलाया था।

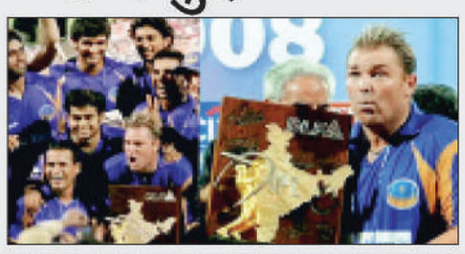

'बॉल ऑफ द सेंचुरी'

4 जून 1993 का दिन। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज का एक मैच चल रहा था। इस मैच में शेन वॉर्न ने एक ऐसी गेंद डाली, जिसे देखकर दुनिया हैरान रह गई। कहा जाता है कि वॉर्न की ये गेंद 90 डिग्री तक घूमी थी। लिहाजा इसे बॉल ऑफ द सेंचुरी कहा गया

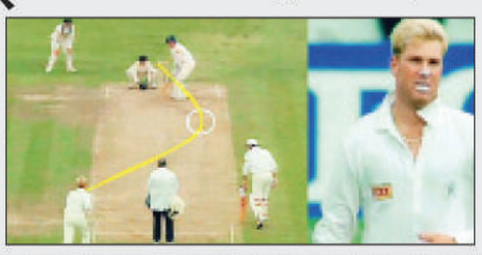

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के सर्वकालिक महान गेंदबाजों में शुमार ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 52 साल के थे। वॉर्न के मैनेजमेंट की ओर से जारी एक संक्षिप्त बयान में बताया गया कि महान लेग स्पिनर की थाईलैंड के कोह समुई में मौत हो गई। उनकी मौत संभवतः हार्ट अटैक से हुई है। शेन वॉर्न ने कुछ घंटे पहले ही पूर्व क्रिकेटर रोड मार्स के निधन पर दुख जताया था। लेकिन तब किसी को क्या पता था कि इस महान गेंदबाज का ये आखिरी ट्वीट होगा।

फॉक्स स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक वॉर्न के मैनेजमेंट ने अपने बयान में बताया, 'शेन को उनके विला में बेजान पाया गया, उनके शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी। मेडिकल स्टाफ की सर्वश्रेष्ठ कोशिशों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। परिवार इस वक्त प्राइवेसी की गुजारिश करता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स को पहले ही सत्र में कप्तान और कोच के रूप में खिताब दिलाया। मैदान के भीतर और बाहर बेहतरीन शख्सियत के मालिक वॉर्न ने कमेंटेटर के रूप में भी कामयाबी पाई।

सपने में भी सचिन लगाते हैं छक्के

जब मास्टर की विध्वंसक बैटिंग से खौफजदा हुए थे स्पिन के जादूगर शेन वॉर्न

जिंदगी को अपने अंदाज में जीने वाले वॉर्न की दुनिया फैन थी, लेकिन जब भी उनसे किसी एक बल्लेबाज का नाम लेने को कहा जाता था तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की तारीफ करना नहीं भूलते थे। वह कहते थे कि सचिन जैसे न कोई था और न कोई होगा।धुरंधर लेग स्पिनर यूं ही नहीं सचिन के कायल थे। दरअसल, जब वॉर्न दुनियाभर के दिग्गज बल्लेबाजों के लिए

दुस्वप्न हुआ करते थे उस वक्त युवा सचिन ने न केवल उनकी गेंदों की जमकर धुनाई की थी, बल्कि कुछ ऐसे शॉट भी खेले थे जिनकी शायद ही वॉर्न ने कभी कल्पना की थी। तभी तो ऑस्ट्रेलिया के 1998 में किए गए भारत दौरे के दौरान वॉर्न ने कहा था- सचिन मेरे सपने में आते हैं... वह वहां भी मेरी गेंदों में छक्के उड़ाते हैं।

विवादों से रहा नाता

शराब-सिगरेट की लत

इतनी कम उम्र में हार्ट अटैक के पीछे वॉर्न की सिगरेट और शराब की लत को बड़ी वजह माना जा सकता है। वॉर्न को कई बार ग्राउंड पर भी सिगरेट पीते हुए देखा गया था।

10 महिलाओं से रहा रिश्ता

10 साल तक पत्नी के साथ रहने के बाद वॉर्न ने जब तलाक लिया तो फिर उनकी जिंदगी में महिलाओं की लाइन लग गई। डेली मेल की रिपोर्ट की मानें तो शेन वार्न की लाइफ में अब तक कुल 10 महिलाएं आ चुकी हैं।

न्यूड फोटोज का मामला

मैदान के अंदर शेन वॉर्न उतने विवादित नहीं थे, जितने बाहर। 2017 में ब्रिटेन की एक फेमस मॉडल के साथ उन्होंने डिस्को में मारपीट की थी। इस मामले में उन्हें कुछ घंटे पुलिस हिरासत में भी रहना पड़ा था। एक टीवी चैनल की होस्ट के साथ वॉर्न के न्यूड फोटो भी ब्रिटिश टैबलॉयड ने पब्लिश किए थे।

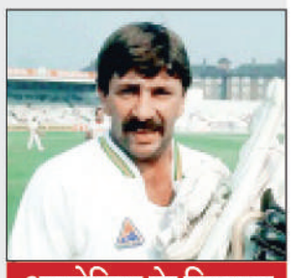

आस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर मार्श नहीं रहे

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रोड मार्श का निधन हो गया है। उन्हें एक हफ्ता पहले क्वीन्सलैंड में धर्मार्थ कार्यों के लिए पैसा जुटाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। मार्श 74 बरस के थे। तेज गेंदबाज डेनिस लिली के साथ मार्श की जोड़ी शानदार थी। इन दोनों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड 95 शिकार किए। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष लैकलेन हेंडरसन ने कहा, 'यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बेहद दुखद दिन है और उन सभी के लिए जिन्हें रोड मार्श से प्यार था और उनकी सराहना करते थे।'

वार्न ने जताया था शोक

शेन वॉर्न ने शुक्रवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रॉड मार्श के निधन पर ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने मार्श के निधन पर दुख जताया था। यह उनके जीवन का आखिरी ट्वीट साबित हुआ।

खबर संक्षेप

इंडियन वेल्स, मियामी टूर्नामेंट से हटीं बार्टी

मियामी गार्डन्स। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी ऐश बार्टी इंडियन वेल्स और मियामी ओपन से हट गई हैं। मियामी ओपन 21 मार्च से शुरू होगा जहां बार्टी दो बार की गत चैंपियन हैं। बार्टी ने गुरुवार को कहा, 'दुर्भाग्य से आस्ट्रेलियाई ओपन के बाद मेरा शरीर उस तरह नहीं उबरा है जैसी मैंने उम्मीद की थी और मैं इंडियन्स वेल्स तथा मियामी टूर्नामेंट के लिए उचित तैयारी नहीं कर पाई हूं।मुझे नहीं लगता कि इन प्रतियोगिताओं के लिए मैंने जरूरी स्तर हासिल किया है और यही कारण है कि मैंने दोनों टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है।'

जोन्स बने राजस्थान के तेज गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने

शुक्रवार को स्टीफन जोन्स को फ्रेंचाइजी का हाई परफोर्मेंस तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। वेल्स के 48 साल के पूर्व तेज गेंदबाज जोन्स इससे पहले 2019 में टीम के तेज गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा चुके हैं।

डब्लूटीटी कंटेंडरः भारत के कम से कम दो रजत पक्के

नई दिल्ली। भारत की मिश्रित युगल टीम और महिला युगल टीम डब्लूटीटी कंटेंडर मस्कट 2022 टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अपने अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच गई। मिश्रित युगल में मानव ठक्कर और अर्चना कामथ ने हंगरी के नंडोर एसेकी और लैला इमरे को 11-9, 11-7, 11-5 से हराया। अब उनका सामना चीन के वांग चुकिन और चेन शिंगटोन से होगा। महिला युगल में सुतीर्था और अयिका मुखर्जी ने श्रीजा अकुका और सेलेनादीप्ति सेल्वाकुमार को 11-4, 11-6, 12-10 से हराया। फाइनल में उनका सामना चीन की कियान तियानी और चेन शिंगटोंग से होगा जबकि श्रीजा और सेलेनादीप्ति को कांस्य पदक से संतोष करना होगा। जी साथियान और मनिका बत्रा की जोड़ी को पहले दौर में बाय मिला था लेकिन क्वार्टर फाइनल में वे एसेकी और इमरे से 9-11, 10-12, 12-10, 3-11 से हार गए।

क्रिकेट : पंत अपने 29वें टेस्ट में पांचवीं बार नर्वस नाइंटीज का शिकार

कोहली 100वें टेस्ट में 45 पर आउट, पंत के तूफान से भारत के छह विकेट पर 357 रन

एजेंसी ▶▶| मोहाली

विराट कोहली अपने एतिहासिक 100वें टेस्ट में अच्छी शुरुआत के बावजूद बड़ी पारी खेलने के नाकाम रहे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आक्रामक अर्धशतक से भारत ने शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन छह विकेट पर 357 रन बनाए। पंत ने 97 गेंद में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 96 रन की तूफानी पारी खेली। रविंद्र जडेजा (नाबाद 45) के साथ उनकी छठे विकेट की 104 रन की साझेदारी से भारत अंतिम सत्र में 158 रन जोड़कर अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रहा। दिन का खेल खत्म होने पर रविचंद्रन अश्विन 10 रन बनाकर जडेजा का साथ निभा रहे थे। चेतेश्वर पुजारा की जगह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे हनुमा विहारी (58) ने मौके का फायदा उठाते हुए अर्धशतक जड़ा लेकिन एतिहासिक 100वां टेस्ट खेल रहे कोहली (45) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 90 रन जोड़े। भारत ने हालांकि पांच रन के भीतर कोहली और विहारी के विकेट गंवाए जिसके बाद पंत और जडेजा ने शतकीय साझेदारी करके मेजबान टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
मयंक फगबाया बो छकुलडेनिया	33	49	5	0
रोहित का लकमल बो कुमारा	29	28	6	0
हनुमा विहारी बो फर्नांडो	58	128	5	0
कोहली बो छकुलडेनिया	45	76	5	0
ऋषभ पंत बो लकमल	96	97	9	4
श्रेयस फगबाया बो हिसिल्वा	27	48	3	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	45	82	5	0
आर अश्विन नाबाद	10	11	2	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 85 ओवर में 357/6
गेंदबाजी : लकमल 16-1-63-1, फर्नांडो 16-1-69-1, कुमारा 10.5-1-52-1, छकुलडेनिया 28-2-107-2, हिसिल्वा 11-1-47-1, अमालांका 3.1-0-14-0.

RO-HIT युग की शुरुआत

बतौर टेस्ट कैप्टन रोहित शर्मा की ये पहली सीरीज है। रोहित भारत के 35वें टेस्ट कप्तान हैं। लिमिटेड ओवर मैचों में फुलटाइम कैप्टन बनने के बाद रोहित शर्मा ने 12 मैचों की कप्तानी की है, जिसमें उन्होंने एक भी मैच नहीं गंवाया है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में चुनौतियां काफी अलग होंगी। पिछले साल इंग्लैंड दौरे के बाद से रोहित ने एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। वे 6 महीने बाद इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं।

युवा पीढ़ी मेरे कॅरियर से ले सकती है प्रेरणा

सौ टेस्ट खेलने वाला सिर्फ 12वां भारतीय क्रिकेटर बनने की उपलब्धि हासिल करने वाले विराट कोहली ने सम्मानित किए जाने के बाद कोहली ने कहा, 'वर्तमान समय में हम तीनों प्रारूपों और आईपीएल में जितना क्रिकेट खेल रहे हैं उसे देखते हुए अगली पीढ़ी मेरे से यह सीख ले सकती है कि मैंने शीर्ष प्रारूप में 100 टेस्ट मैच खेले।'' जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से जुड़ी पाबंदियों के कारण द्रविड़ ने कोहली को स्मारिका कैप और चमचमाता स्मृति चिन्ह सौंपा। इस दौरान कोहली की अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा और भाई विकास कोहली भी स्टैंड में मौजूद थे।

833 दिनों से है कोहली को शतक का इंतजार

विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना आखिरी शतक साल 2019 में कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए डे-नाइट टेस्ट क्रिकेट में लगाया था। उसके बाद से वो टेस्ट के अलावा वनडे या फिर टी20 में भी कोई शतक नहीं लगा पाए। वो पिछले 833 दिनों से इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक नहीं लगा पाए हैं और फिलहाल ये इंतजार तो जारी है। मोहाली टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 76 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 900 चौके भी पूरे किए।

वर्ल्ड कपः वेस्टइंडीज महिला टीम ने किया जीत से आगाज, हेली का शतक

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को यहां बे ओवल में महिला वनडे विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन रन की रोमांचक जीत दर्ज की। हेली मैथ्यूज ने 128 गेंद में 16 चौकों और एक छक्के की मदद से 119 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज ने नौ विकेट पर 259 रन का स्कोर खड़ा किया।

इसके जवाब में 2000 की चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम कप्तान सोफी डिवाइन की 108 रन की पारी की मदद से वापसी करने में सफल रही लेकिन टीम ने अंतिम ओवर में मुकाबला गंवा दिया जिसमें सिर्फ दो रन बने और मेजबान टीम तीन विकेट गंवाकर एक गेंद शेष रहते 256 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड को अंतिम ओवर में छह रन की दरकार थी। पहली गेंद पर एक रन बना लेकिन अगली चार गेंद पर न्यूजीलैंड ने तीन विकेट गंवा दिए। 17 साल की फ्रेन जोनास के रन आउट होने के साथ वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की। डोटिन ने दो रन देकर दो विकेट हासिल किए। इससे पहले डिवाइन रन आउट होने से बची और उन्हें जीवनदान भी मिला और वह छठा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा करने में सफल रहीं लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। चेनेल हेनरी ने 45वें ओवर में अपनी ही गेंद पर डिवाइन का कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया। अपनी इस पारी के दौरान डिवाइन ने 3000 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रन भी पूरे किए।

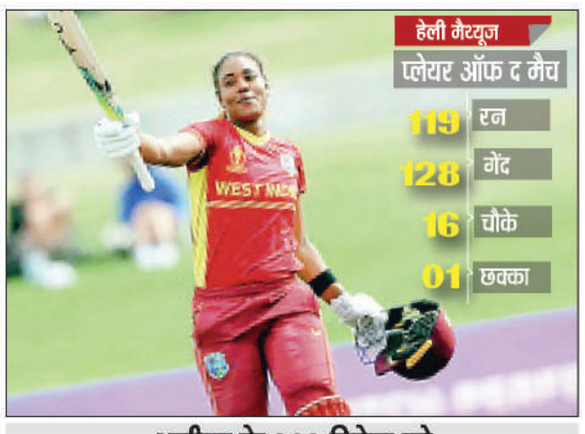

अनीसा के 300 विकेट पूरे

अनीसा मोहम्मद, लिया ताहुहु को आउट करके 300 विकेट हासिल करने वाली चौथी महिला क्रिकेटर बनीं। उनसे पहले भारत की झूलन गोस्वामी, आस्ट्रेलिया की एलिस पैरी और इंग्लैंड की कैथरीन ब्रंट यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज ने हेली को पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी दी और वह एकदिवसीय विश्व कप में शतक जड़ने वाली अपने देश की तीसरी खिलाड़ी बनी।

भारतीय महिलाओं ने रचा इतिहास, विश्व पैदलचाल चैंपियनशिप में जीता कांस्य

मस्कट। भारत की भावना जाट, रवीना और मुनीता प्रजापति ने विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैंपियनशिप के महिलाओं के 20 किलोमीटर वर्ग में देश को पहला कांस्य पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। चीन ने स्वर्ण और यूनान ने रजत पदक जीता। रवीना 14वें स्थान पर रही जिन्होंने एक घंटे, 40 मिनट और 22 सेकंड का समय निकाला। टोक्यो ओलंपिक खेल चुकी भावना 1:43:08 का समय निकालकर 21वें स्थान पर रही जबकि मुनीता 26वें स्थान पर रही। एक देश के सभी प्रतियोगियों के प्रदर्शन को जोड़कर पदक तय किए गए। इस चैंपियनशिप के 61 साल के इतिहास में भारतीय महिला टीम का यह पहला पदक है। पुरुष टीम ने 2012 में कांस्य जीता था। इससे पहले भारत के अमित खत्री आखिरी किलोमीटर तक आगे चल रहे थे लेकिन चौथा रेडकार्ड मिलने से अंडर 20 पुरुषों के दस किलोमीटर वर्ग से अयोग्य करार दिए गए। वह फिनिश लाइन तक पहले भी पहुंच जाते तो स्वर्ण नहीं जीत सकते थे क्योंकि तीसरे रेडकार्ड के बाद उन्हें 60 मिनट की पेनल्टी मिली थी।

ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन के महासचिव अनिल धूपर से की मुलाकात

डेविस कप में शिरकत करने पहुंचे होरा, नेशनल कोच भेजने रखी मांग

▶▶| रायपुर

नई दिल्ली के जिमखाना क्लब के ग्रास कोर्ट में इंडिया व डेनमार्क के बीच खेले जा रहे डेनिस कप में छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने शिरकत की। दिल्ली प्रवास के दौरान ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन के महासचिव अनिल धूपर से मुलाकात कर खेल संबधी चर्चा की।

होरा ने छत्तीसगढ़ में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने हेतु नेशनल कोच भेजने की मांग की। इस पर श्री धूपर ने आश्वासन दिया कि इस वर्ष समर कैंप के आयोजन के साथ ही एक ऑफिशिएटिंग कोर्स का आयोजन भी छग में किया जाएगा।

रामानाथन की जीत

मुकाबले में रामकुमार रामानाथन और युकी भांबरी डेनमार्क के खिलाफ शुक्रवार को डेविस कप विश्व ग्रुप-1 प्ले ऑफ टाई के एकल मुकाबलों में उतरे। रामकुमार रामानाथन ने डेविस कप सिंगल मुकाबले में जीत दर्ज कर ली है। उनके शानदार प्रदर्शन को लेकर सीजीओए महासचिव व छग टेनिस एसोसिएशन के सचिव गुरुचरण सिंह होरा ने रामकुमार रामानाथन को शुभकामनाएं दी। बता दें, रामकुमार रामनाथन ने अपना पहला आईटीएफ खिताब रायपुर में ही जीता था।

युकी, रामकुमार ने भारत को दिलाई 2-0 की बढ़त

शुक्रवार को भारत ने डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप टेनिस विश्व ग्रुप एक प्ले आफ मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली। ग्रास कोर्ट के कम उछाल पर डेनमार्क के खिलाड़ी क्रिस्टियन सिग्सगार्ड की अहजता और गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए रामकुमार रामनाथन ने दिल्ली जिमखाना क्लब पर शुरुआती एकल मुकाबले में दुनिया के 824वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की। सिर्फ 59 मिनट चले मुकाबले के दौरान डेनमार्क का खिलाड़ी काफी सहज गलतियां करने के कारण 170वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी को कोई चुनौती नहीं दे पाया। दूसरी तरफ 2017 के बाद पहली बार डेविस कप खेल रहे युकी ने दूसरे एकल में माइकल टोर्पगार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। टोर्पगार्ड ने हालांकि सिग्सगार्ड की तुलना में बेहतर सर्विस की और अच्छे शॉट लगाकर अपनी टीम की उम्मीद जगाई थी।

अमनदीप का नाबाद शतक शशांक ने भी ठोकी सेंचुरी

रणजी ट्रॉफी : छत्तीसगढ़ की पहली पारी 482 रन पर घोषित

▶▶| रायपुर

अमनदीप खरे और शशांक सिंह के शतकों की मदद से छत्तीसगढ़ ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप एच के मैच के दूसरे दिन पहली पारी नौ विकेट पर 482 रन पर घोषित की। इससे दिल्ली की नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। दिल्ली चार टीमों के ग्रुप एच में आखिरी स्थान पर है जिसके दो मैचों के बाद एक ही अंक है।

अपने कल के स्कोर 75 रन से आगे खेलते हुए खरे 318 गेंद में नाबाद 156 और सिंह 177 गेंद में 122 रन बनाकरआउट हुए। दिल्ली के लिए स्पिनर विकास मिश्रा ने 124 रन देकर छह विकेट लिए। जवाब में दिल्ली ने तीन विकेट पर 108 रन बना लिए हैं। भारत के अंडर 19 विश्व कप विजेता कप्तान यश धुल और क्षितिज शर्मा ने 29-29 रन बनाए। नीतिश राणा 20 और जोंटी सिद्धू आठ रन बनाकर खेल रहे हैं। छत्तीसगढ ग्रुप एच में सात अंक लेकर शीर्ष पर है।

ओपिनियन पोल फरेबी हैं बीएसपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी : सिमा कुशवाहा

प्रखर केराकत जौनपुर। यूपी चुनाव के सातवें व आखिरी चरण के लिए शनिवार को छितौना में बीएसपी प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा का आयोजन किया गया।बतौर मुख्य अतिथि पहुँची बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सिमा समृद्धि कुशवाहा ने कहा कि जिस दिन वोट खुलेगा हम बहुमत में आयेंगे। मीडिया कल तक बीएसपी को 30 से 35 सीटों पर सिमट जाने व सपा भाजपा की लड़ाई बता रहे थे ये लोग अपनी बातों से लड़ाई लड़ रहे थे पर बीएसपी का कार्यकर्ता व पदाधिकारी बातो में कम अपने काम मे ज्यादा विश्वास करता हैं और हम लोग जमीन पर संघर्ष कर रहे थे कार्य कर रहे थे इसीलिए आखिर चरण आते आते चुनाव त्रिकोणी बताना इनकी मजबूरी हो गई।क्योकि इनके पास आंकड़े आ चुके थे कि कौन सत्ता में आ रहा है उन्होंने कहा कि बहन कुमारी मायावती प्रदेश की पांचवीं बार की मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं जो बिगत दस सालों का विकास प्रदेश में रुका हुआ था उसे सुचारू रूप से चालू किया जायेगा देश की बड़ी बड़ी एर्जसियां ओपिनियन पोल

बताती है वह ओपिनियन पोल पूरी तरह से फरेबी हैं।उन्होंने कहा कि बीजेपी का शासन काल आप लोगो ने देखा आज कल ये लोग पूरी तरह से कमजोर हो गये हैं क्योकि इनके भाषण में इनके कार्यशैली में इनके कहावतों में वह ताकत नही है इसलिए अपनी ताकत बुल्डोजर से दिखाने का कार्य रहे हैं इसलिए आज कल बुल्डोजर बाबा हो गए हैं लेकिन हम लोगो की ताकत दोगुनी है। बाबा साहब ने जब संबिधान बनाया तो उसमे जो एक वोट की ताकत दी है वह ताकत इस देश के प्रधानमंत्री को जितना है उतनी ही ताकत आप लोगो को भी है। आप लोग अपने एक वोट की ताकत को पहचानिए आप अपने एक वोट से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को हटा सकते है मान्यवर साहब कांशीराम कहते थे कि एक दिन भूखे सो जाना पर अपने वोट का प्रयोग जरूर करना बहन मायावती ने कहा है कि जिस दिन चुनाव हो उस दिन उपवास कर लेना पर सुबह बूथों पर पहुँच जाना और जो सबसे बड़ी लाइन लगी हो वह बीएसपी के सपोर्ट करने वालो की लाइन होनी चाहिए।दलित, शोषित,वंचित बीएसपी सरकार में अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है।अपने बच्चों के भविष्य के लिए मतदान करने के साथ ही बीएसपी प्रत्याशी डॉ लालबहादुर सिद्धार्थ के लिए मतदान करने की अपील की।इस अवसर पर डॉ अवधेशचंद्र भारद्वाज, फौजदार मौर्या, संजय मौर्या,अमरजीत गौतम,कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष तेजबहादुर मौर्य व संचालन श्याम नारायण बौद्ध ने किया।

पोलिंग पार्टियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर्स का तृतीय रेंडमाइजेशन कार्य संपन्न

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के चुनाव के दृष्टिगत पोलिंग पार्टियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर्स का तृतीय रेंडमाइजेशन जनपद के समस्त सामान्य प्रेक्षक,

जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुशील घुले के समक्ष आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी कक्ष में संपन्न हुआ। तृतीय रेंडमाइजेशन के उपरांत पोलिंग पार्टियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर्स के बूथो का चयन किया गया। द्वितीय रेंडमाइजेशन के उपरांत चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों के पोलिंग पार्टियों का चयन किया गया था। तृतीय रेण्डमाईजेशन के उपरांत पोलिंग पार्टियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर को पार्टी के रवानगी के दिन अपने-अपने बूथों की जानकारी मिल सकेगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी भानु प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट त्रिभुवन भी उपस्थित रहे।

हर गरीब को आवास देने का काम भाजपा सरकार ने किया- वरुण गोयल

मऊ। सदर विधान सभा क्षेत्र के पहसा गांव में घोसी विधानसभा के पतीला गांव में शुक्रवार को भाजयुमो की ओर से एक युवा चैपाल का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा नेताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां बताते हुए फिर से भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। पहसा एवं पतीला में आयोजित चैपाल में भाजयुमो के

प्रदेश महामंत्री वरुण गोयल बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने सरकार की योजनाएं गिनाते हुए बताया कि भाजपा सरकार ने कर्ज माफी कर किसानों को सबसे बड़ा फायदा पहुंचाया है। फसल बीमा, अटल पेंशन योजना आदि के माध्यम से लोगों को राहत देने का काम किया गया है आप सभी से निवेदन है के योगी और मोदी के नेतृत्व में मऊ में कमल खिलाने का काम करें और मुख्तार जैसे माफिया के बेटे को मऊ सदर से उखाड़ फेंकने का इतिहास कायम करें। एवं सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बताया कि पीएम आवास योजना के माध्यम से हर गरीब को आवास देने का काम किया गया है। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर घर शौचालय बनवाएं गए है। जिला अध्यक्ष हेमंत राय ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने नौकरियों का पिटारा खोल दिया था। ग्राम पंचायत अधिकारी, शिक्षक व पुलिस में बम्पर भर्तियां की गयी है। उज्जवला योजना के तहत गरीब की रसोई तक गैस पहुंचाने का काम किया गया है। संचालन जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष राय ने किया। इस दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अभिषेक त्यागी, विशाल गुप्ता, जितेंद्र शुक्ला, मुन्ना सिंह, दिनेश सिंह देवा, अनिल वर्मा, मुकेश पटेल, योगेंद्र वर्मा, प्रधान छवि मिश्रा, उत्तम, पिंटू, सीताराम आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

मुन्ना दुबे ने फिल्म बेटी नम्बर 1' के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का अवार्ड जीता है BEFA बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर अवार्ड से नवाजे गये मुन्ना दुबे

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भोजपुरी संगीतकार मुन्ना दुबे ने फिल्म अभिनेता और निमार्ता यश कुमार की फिल्म बेटी नम्बर 1 , के गाना "पापा की परी" के लिए लखनऊ में आयोजित बिफा अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का अवार्ड जीता है ,यह अवार्ड फिल्म निमार्ता , निर्देशक और संगीतकार राजकुमार आर पांडेय के हाथो मुन्ना दुबे को दिया गया इस अवार्ड समारोह में बॉलीवुड और भोजपुरी इंडस्ट्री के तमाम सितारों को अलग - अलग बिधा में अवार्ड दिया गया बिफा अवार्ड में खेसारी लाल यादव , सनी लियोन,शक्ति कपूर ,रानी चटर्जी , शुभी शर्मा ,अंजना सिंह जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी अपने गाने पर परफॉरमेंस किया आगे मुन्ना दुबे बताया की मुझे नही पता था की मै इसके लायक हु की नही पर इस अवार्ड के लिए बिफा को दिल से धन्यवाद दिया` https://www.instagram.com/munnadubeyofficial/ https://www.facebook.com/मुन्नाडी०२

मुन्ना दुबे ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार जीतना फिल्म की पूरी टीम के लिए बड़ा सम्मान है. उन्होंने कहा कि वह पुरस्कार के लिए काम नहीं करते हैं लेकिन अगर वह मिलता है तो वह पहचान पूरी टीम की है नागधारी ,रोटी, काबिल झूला,और कसम पैदा करनेवाले की जैसी फिल्मों में उनके संगीत की खूब सराहना हुई है.भोजपुरी में अलग पहचान बना कर संगीतकार मुन्ना दुबे बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर आवर्ड जीते है इस बार मुन्ना दुबे हमेसा सोशल मीडिया में छाये रहते है इनका इंस्टाग्राम आईडी पर लाखो व्यू होता है किसी भी वीडियो पर आप को बता दू की भोजपुरी संगीतकार मुन्ना मूलतः बिहार के बॉक्सर जिला के रहने वाले है मुन्ना दुबे संगीत की दुनिया में बचपन से ही लगाव रखते थे उन्हें स्कूल -कालेज में भी कई पुरस्कार मिल चूका है मुन्ना दुबे संगीत बनाने के साथ साथ गाने भी लिखते है कई दर्जन बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मे और अलबमो में इनके गाने रिलीज हो चूका है।

आपका मतदान लोकतंत्र की जान सब मिलकर मतदान करेंगे, स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करेंगे

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो ' हम सब ने यह ठाना है, शत-प्रतिशत मतदान कराना है' मतदान हमारा है अनमोल, नहीं है इसका कोई मोल , सब मिलकर मतदान करेंगे स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करेंगे ,लोकतंत्र का यह आधार , वोट कोई न हो बेकार,'लोकतंत्र का महापर्व है मतदान , सब मिलकर बढ़ाओ काशी की शान, जैसे मतदान को जागरूक करते नारे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर गूंजते रहे । लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए, मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नमामि गंगे के सदस्य काशी विश्वनाथ धाम के बाहर राष्ट्रध्वज और मतदान के लिए जागरूक करती तख्तियों के साथ उतर पड़े थे । इस दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र से सदस्यों ने शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया । बड़े हों या जवान सभी करें मतदान के लिए जागरूक करते हुए नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि हमारे पास मतदान के रूप में सुअवसर है उत्तर प्रदेश को उत्तम

प्रदेश बनाने का आइए हम एक ऐसी सरकार का चयन करें जो राष्ट्रीय सुरक्षा को बल देने वाली हो, जो बिजली-सड़क-पानी की अच्छी व्यवस्था देने वाली हो, जिस पर माताओं बहनों को विश्वास हो सके, जो किसानों की चिंता कर सके ?। गरीबों की सुध ले सके हमें ऐसी सरकार चुननी है जो हमारी राष्ट्रीय, सांस्कृतिक ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत का सम्मान करने व उसे आगे बढ़ाने वाली हो एवं जिसका नेतृत्व सक्षम, कर्मठ एवं इमानदार हो। आयोजन प्रमुख रूप से काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला , रश्मि साहू, पुष्पलता वर्मा, प्रीति जायसवाल, भावना गुप्ता, रेनू जायसवाल रेखा विश्वकर्मा, मधु श्रीवास्तव , मुक्ता सलूजा, हर्षा नाथानी, पूजा मौर्या, लवली सेठ, आरती गुप्ता आदि शामिल रहे।

बेहतर लोकतंत्र के लिए जरूरी है शत-प्रतिशत मतदान करना : डा. रामविलास भारती

घोसी, मऊ। शुक्रवार को ब्लॉक घोसी अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय धरौली द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान रैली को प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई (पू. मा.) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. रामविलास भारती द्वारा हरी झण्डी दिखाकर स्वयं अपने नेतृत्व में रैली को कोविड 19 व आचार संहिता के नियमों में रहकर पूरे ग्राम सभा को ह्लउम्र अठारह पूरी, मतदान देना जरूरी है।ह्ल ह्लछोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करें मतदान।ह्ल ह्लआन बान और शान से, सरकार बने मतदान सेह्ल आदि नारे लगाते हुए रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। इस रैली में गांव के सभी अभिभावकों, स्वंय सहायता समूहों, आंगनबाड़ी, बच्चों व शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर डा. रामविलास भारती ने कहा कि बेहतर लोकतंत्र के लिए जरूरी है शतप्रतिशत मतदान करना। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और निर्वाचन एक महापर्व जो हर पांच वर्ष पर आता है जिसमे शतप्रतिशत मतदान करना एवं निष्पक्षता, जाति, धर्म, प्रलोभनों से ऊपर उठाकर मतदान करना ही इस लोकतांत्रिक महापर्व की पवित्रता है। डॉ. भारती ने कहा

कि जनता अपना जन प्रतिनिधि चुनती हैं और वही जन प्रतिनिधि बहुमत के आधार पर सरकार बनाते हैं जो राष्ट्र के नीति निर्धारक के रूप में हमारे जीवन जीने का नियम निर्धारण करते हैं। इसलिए जनता शतप्रतिशत मतदान कर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए बेहतर लोकतंत्र व राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकती है। मतदाता जागरूकता के दौरान डा.रामविलास भारती ने 7 मार्च को होने वाले विधान सभा निर्वाचन में शतप्रतिशत मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर फूलवंती शाही, कमलेश राय, ललित राहुल, सुनील कुमार कन्नौजिया, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि करुणानिधि, ग्राम विकास अधिकारी आशीष कुमार, पंचायत सहायक विशाल कुमार, रोजगार सेवक अरविंद कुमार, मेहंदी रजा, एसएमसी अध्यक्ष बदामी देवू, सविता, मनभावती, सुनीता, सुभावती, लालसा, रीमा, अर्चना, किरन, संगीता, मुनिया, फूलमती, पुष्पा, मीनू आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस -बेटियों की शिक्षा को दे बढ़ावा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महिला दिवस सप्ताह के तहत प्राथमिक विद्यालय सैरा गोपालपुर, पिंडरा, वाराणसी में उत्सव कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिवार तथा सरकारी स्कूल डॉट इन व वीसिटिजन फाउंडेशन द्वारा

महिला दिवस पर प्राथमिक विद्यालय सैरा गोपालपुर में हुआ आयोजन, प्रतिभाशाली व रचनात्मक बेटियों का हुआ सम्मान

किया गया. आयोजन के दौरान विद्यालय द्वारा बेटियों की शिक्षा व व्यक्तिगत विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों की चर्चा हुई. इस अवसर पर देशभर के कई विश्वविद्यालयों में पढ़नेवाले युवा भी मौजूद थे आयोजन के दौरान बाल संसद द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विंटर कैंप में बेहतर प्रदर्शन करने वाली विद्यालय की छात्रा समिता पटेल सहित 25 अन्य छात्राओं को सम्मानित किया गया, जो अकादमिक, खेल-कूद व बाल-संसद में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है. आयोजन में विशेष रुप से विद्यालय की छात्राओं द्वारा गाँव के बच्चों की शिक्षा के लिए चलाये जा रहे छात्र चौपाल की

सराहना की गई और कोरोना काल में शिक्षा पहुंचाने में सहयोगी बनने के लिए विद्यालय द्वारा उपहार देकर सम्मानित भी किया गया` आयोजन के दौरान प्रधानाध्यापक मनोज कुमार सिंह ने बाल संसद में छात्राओं की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय बच्चियों में आत्मविश्वास के साथ साथ नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है. बाल संसद ने न केवल स्कूल के विकास में, बल्कि सामाजिक जागरूकता में भी अहम् भूमिका निभाई है. सरकारी स्कूल डॉट इन व वीसिटिजन फाउंडेशन की टीम मैनेजर ऋतुजा कांबले ने विद्यालय में चल रहे रचनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के इस विद्यालय के काम से शहरों में रहने वाले युवाओं का सरकारी स्कूल के प्रति सोचने का नजरिया बदलेगा. हम सभी को बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य अनवरत जारी रखना चाहिए` कार्यक्रम का संचालन दिल्ली विश्विद्यालय की छात्रा इशिता देसाई ने की इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक कौशल, सिद्धनाथ, सुनील प्रीती सोनकर, रामाश्रय, संगीता व नगीना, एनआईटी सूरत की छात्रा पूर्वा भट्ट, दिल्ली विश्वविद्यालय से खुशी तिवारी, सेंट जेवियर कलकत्ता की ऐश्वर्या,भारतीय प्रबंधन संस्थान संबलपुर की वैष्णवी, महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी की प्राप्ति कौशिक भी मौजूद थी` अंत में प्रधानाध्यापक मनोज सिंह द्वारा बताया गया कि विद्यालय अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह मनाते हुए शुक्रवार से 16 कार्य दिवस के लिए महिलाओं को विद्यालय संचालन का सम्पूर्ण प्रभार सौंप दिया गया है।

मतदाताओं से कोसों दूर है अधिकृत प्रत्याशी

मधुबन, मऊ। मधुबन विधानसभा 353 का सियासी पारा अपने चरम पर चढ़ता जा रहा है। जहां पर हर दल के पार्टियों के राजनीतिक विश्लेषक अपने-अपने नेताओं को जिताने का समीकरण बना रहे हैं। वही भाजपा प्रत्याशी अपने समर्थकों से सीधा संवाद करने में विफल दिख रहा है क्योंकि भाजपा से बागी प्रत्याशी के चुनाव मैदान में आने के बाद भाजपा का समीकरण बिगड़ गया है। लोगो का मानना है कि भाजपा के प्रत्याशी ने अपने बूथ अध्यक्षों व संगठन के पदाधिकारियों से मिलने की जहमत नहीं उठा रहे हैं। सिर्फ गिने गिनाये लोगों के साथ मिल बैठ कर ही राजनीति रणनीति बनाने में लगे रहते हैं। जिससे विधानसभा के चुनाव में कमल खिलाना मील का पत्थर ही साबित होगा। भाजपा प्रत्याशी अपने संगठन के सक्रिय पदाधिकारियों को संगठित नही कर पाए हैं। कुछ जातीय समीकरण के बीच हाई जैक हो चुके हैं। अगर समय रहते इस पर ठोस रणनीत नहीं तैयार हुई तो चुनाव बहुत ही पेचीदा हो सकता है। बतादें कि भाजपा से बागी हुए एक नेता के सभा में उमड़ी भीड़ को देखने के बाद भाजपा की मुश्किलें बढ़ गई है। लेकिन भाजपा द्वारा अधिकृत प्रत्याशी अपने संगठन के पदाधिकारियों के संम्पर्क से दूर रहकर चुनाव लड़ना व बाहरी होने का भी चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में देखना है कि इस विधानसभा में जातीय समीकरण कितना रंग लाती है। स्थानीय कार्यकताओं की उपेक्षा से जातीय समीकरण भी काम नहीं आएगा। बूथ स्तर के कार्यकताओं की उपेक्षा में सुधार नहीं हुआ तो प्रत्याशी के लिए चुनाव फतह करने में पापड़ बेलनी पड़ सकती है।

संक्षिप्त खबरें

वोट करेंगा जौनपुर के अन्तर्गत स्कूली बच्चों ने निकाला जागरूकता यात्रा

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा के सन्दहां गांव में श्री गणेशजी बालोद्यान विद्यालय के बच्चों ने प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में मत जागरूकता यात्रा निकाल कर शत प्रतिशत वोट के लिए जनता से अपील किया जिसमें विद्यालय के बालक के साथ ही बालिका भी हिस्सा ली आपको बता दे कि यह मतदाता जागरूकता यात्रा क्षेत्र में पहली बार किसी शिक्षण संस्थान ने निकला है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अपने मत के अधिकार पता चले और ज्यादा से ज्यादा मतदान करें। मतदाता जागरूकता यात्रा श्री गणेशजी बालोद्यान से होते हुए ग्यासपुर नोनारी से मानीकलां बाजार ,गांधी चबूतरा से पुनः मानीकलां चौराहे से होते हुए सन्दहां प्रकाश नगर सेवक कुटिया पर सम्पन्न हुआ। प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर तिवारी ने सभी दुकानदारो गांव कि महिलाओं एवं पुरूषों से दोनों कर जोड़ कर अपील किए हैं सात मार्च को पहले मतदान करें ,फिर जलपान करें उन्होंने ने कहाँ कि आपका एक- एक मत बहुमूल्य है राष्ट्र का निर्माण ही आपके एक मत से ही होता हैं । इस जागरूकता यात्रा में क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों का बहुत सहयोग मिला लोग प्रधानाध्यापक कि खूब प्रशंसा किये और मतदान करने व अपने परिवार के मतदाताओं को बुथ तक लेजाकर मतदान करवाने का सकल्प भी लिए।

युक्रेन में मेडिकल छात्र अभय सिंह पहुँचा घर, परिवार ने हर्ष का माहौल

भारत सरकार ने रोमानिया से उठाकर घर तक पहुंचाया

प्रखर केराकत जौनपुर। युक्रेन से लौटे केराकत ब्लाक के धरउरा गांव निवासी अभय सिंह शुक्रवार की देर रात अपने पैतृक घर पहुंच गए। केंद्र सरकार ने अपने खर्च से उन्हें घर तक पहुंचाया। अभय सिंह के सकुशल घर पहुंचने से परिजनों में खुशी है। अभय सिंह के बड़े भाई नरेन्द्र सिंह ने भाई के आने पर माला पहनाकर आरती उतारी। शनिवार को अभय सिंह ने पत्रकारों से युक्रेन से वतन वापसी की आप बीती सुनाई। कहा कि युद्ध शुरू होने पर उन्हें बस से रोमानिया बार्डर की ओर ले जाया गया। बार्डर से दस किलोमीटर पहले ही छोड़ दिया गया। अभय ने बताया कि पैदल वे बार्डर पर पहुंचे और 48 घंटे तक -4 डिग्री सेल्सियस तापमान में खुली आसमान के नीचे रात बिताई। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की पहल पर उन्हें रोमानिया में प्रवेश मिला और रहने खाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई। उसके बाद विशेष विमान से दिल्ली लाया गया। उसके बाद प्रत्येक छात्रों को विशेष वाहनों से उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोमानिया से लेकर घर तक उनका एक रुपया भी नहीं लगा। सारा खर्च भारत सरकार ने किया। अभय सिंह ने सरकार के इस कदम की सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया। अभय ने बताया कि जौनपुर के जिलाधिकारी मनीष वर्मा जी लगतार उनके सम्पर्क में थे। और कुशल क्षेम पूछते रहते थे। उल्लेखनीय है कि अभय सिंह युक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने गए थे। रूस से युद्ध शुरू होने पर उन्हें युक्रेन छोड़ना पड़ा।

सुरक्षा व्यवस्था में पहुँची फोर्स को कोतवाल ने फल व बिस्कुट किया वितरण

प्रखर केराकत जौनपुर। यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें व आखिरी चरण के होने वाले मतदान को देखते हुए शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल समेत अतिरिक्त पुलिस फोर्स बल का जगह जगह पहुँची।फोर्स के पहुचे ही प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत ने केराकत क्षेत्र के एसपी इंटर कॉलेजसरकी,राजकीय महाविद्यालय मुफ्तीगंज समेत अन्य जगहों पर पुलिस फोर्स के ठहरने से लेकर खाने पीने की समुचित व्यवस्था करवाने के साथ साथ फल व बिस्कुट वितरण किए।समुचित व्यवस्था व फल फ्रूट वितरण करते देख मतदान कराने पहुँची फोर्स ने प्रभारी निरीक्षक की तारीफ करते हुए कहा कि आज तक हम लोगो ने इसे प्रभारी निरीक्षक को नही देखा जिन्होंने इतनी बढ़िया तरीके से व्यवस्था कराने के साथ साथ फल व बिस्कुट वितरण करते देखा हो।

अपने स्टार को अपने बीच पाकर खुश दिखे प्रशंसक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। भाजपा सांसद व भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकताओं से अधिक उनके प्रशंसकों में ज्यादा उत्साह दिखा। यही कारण रहा कि कोई उनके साथ सेल्फी के लिए परेशान दिखा तो कोई पैर छूकर आशीर्वाद लेता दिखा। वही पिंडरा में स्थित मशहूर चौरसिया पान भंडार पर काफिला रुका और दुकानदार विपिन चौरसिया ने अपने प्रसिद्ध पान खिलाने के साथ अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत करने के साथ आशीर्वाद लिया। इस दौरान कई जगह लोग उनके ऊपर फूलो की वर्षा करते दिखे। कई उन्हें रोककर समर्थक गाने की भी फरमाइश कर दी। जिसे इनकार नही कर पाए और अपने सुरीले अंदाज में गाने में गाये।

विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय मंत्री का किया स्वागत

प्रखर डेस्क। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी जिला द्वारा चलाया जा रहे मुद्दा मतदाता जागरूकता अभियान रैली में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री सुश्री साक्षी सिंह के काशी प्रथम आगमन पर विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने सेवापुरी विधानसभा के जंसा में अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया इस

दौरान जिला संगठन मंत्री सौर भेंद्र विक्रम , सेवापुरी विधानसभा संयोजक विनय पांडेय ,जिला संयोजक अश्वनी सिंह,अनुभव सिंह ,अतुल उपाध्याय , आदर्श त्रिपाठी, रामरेष तिवारी ,श्याम त्रिपाठी सहित भारी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

भाजपा की सरकार बनी तो पांच लाख युवकों मिलेगा रोजगार : योगी

सपा सरकार में गरीबों नहीं अपराधियों और गुंडों का होता था कल्याण, गरीबों का राशन निगल जाती थी हाथी, कोरोना में मिला मुफ्त राशन

प्रखर भदोही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सपा, बसपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गरीबों नहीं अपराधियों और गुंडों का कल्याण होता था। गरीबों का राशन हाथी खा जाता था। मेरी सरकार बनी तो पांच लाख युवकों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भदोही के मोढ़ में भाजपा उम्मीदवार रविंद्रनाथ त्रिपाठी और औराई में दीनानाथ भाष्कर के लिए चुनावी रैली को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब होली और दिवाली पर हर परिवार को एक-एक रासोई गैस मुफ्त मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पूर्व प्रदेश में बिजली नहीं आती। कोरोना काल में हमारी सरकार ने जरूरतमंदों को महीने में दो बार राशन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई। भाजपा सरकार में सभी को वैक्सीन मुफ्त दी गई अगर यह सपा की सरकार होती तो वैक्सीन को बेच दिया जाता। हमारी

सरकार में लोगों को दाल, नमक और राशन के साथ तेल भी मुफ्त मिल रहा है।

योगी ने कहा कि हमारी सरकार में लोगों को पेंशन शौचालय और दूसरी सुविधाएं निशुल्क दी जा रही हैं। हम सत्ता में वापस आए तो पांच लाख नौजवानों को रोजगार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बेटी की शादी के लिए 50000 दिए जाते थे लेकिन अब उसेबढ़ाकर रुपए एक कर दी गई। सपा के राज में गुंडों और अपराधियों को खुली छूट थी। प्रदेश में बेटियां सुरक्षित नहीं थी। समाजवादी पार्टी का पांच साल का कार्यकाल कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल बनवाने में चला गया। प्रदेश में भारी संख्या में एयरपोर्ट का निर्माण और एक्सपो मार्ट का निर्माण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रविंद्र नाथ त्रिपाठी ने भदोही और ज्ञानपुर के विकास लिए जो भी विकास योजनाएं मांगी उन्हें उपलब्ध कराई गई। हमारी सरकार ने प्रदेश को दंगा और अपराध मुक्त किया। किसानों गरीबों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आप एक बार पुनः दूसरी बार भाजपा की सरकार बनवाएं।

सपा के लहर में बीजेपी का पतन तय : असलम खान

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक ईकाई के राष्ट्रीय सचिव मो असलम खान ने कहा कि बीजेपी की जनविरोधी नीतियों से अवाम आजिज हो चुकी है,इस बार के चुनाव में बीजेपी पुर्वांचल में साफ हो जाएगी। झूठ के बुनियाद पर बनी सरकार को यूपी की जनता पूर्ण बहुमत से नकार रही है। बेरोजगारों के लिए सपा भर्ती निकालेगी। वह शनिवार को आजमगढ़ से मल्हनी विधानसभा में हो रही सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के कार्यक्रम में शरीक होने जा रहे थे,

खेतासराय कस्बे में रूककर मीडियाकर्मियों से संक्षिप्त वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की गर्मी वाले बयान को जनता ने गंभीरता से लिया है, जनता विधानसभा के चुनाव में सबक सिखाने के लिए तैयारी कर चुकी है।पार्टी ने हमे आजमगढ़ ,जौनपुर को प्रभारी बनाया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा बिजली तीन सौ यूनिट फ्री,बेरोजगारों की भर्ती निकालने की घोषणा पर अवाम अपना फैसला सुनाने जा रही है। साढ़े तीन सौ से अधिक सीटें हम निकाल रहे है। वार्ता के दौरान प्रमुख रूप से डब्लू यादव, अशोक यादव, त्रिभुवन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने की पुलिस बल, पीएसी बल तथा केन्द्रीय बलों के अधिकारियों/कर्मचारियों की ब्रीफिंग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद मे होने वाले विधानसभा चुनाव के सम्बन्ध मे आज दिन शनिवार 5 मार्च को पुलिस अधीक्षक द्वारा चुनाव मे लगे पुलिस बल, पीएसी बल तथा केन्द्रीय बलों के अधिकारियों/कर्मचारियों की ब्रीफिंग की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस बल को चुनाव को सकुशल शांतिपूर्ण तथा निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। चुनाव के दौरान ड्यूटी पर सतर्कतापूर्वक एवं मुस्तैद रहने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अपने उच्चाधिकारीगण को अवगत कराने तथा सम्बन्धित सेक्टर मजिस्ट्रेट को सूचित करने हेतु अवगत कराया गया।

पिंडरा क्षेत्र के यूक्रेन में फंसे तीनो छात्र सकुशल पहुंचे घर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा क्षेत्र के तीनों छात्र भारत सरकार की मदद से बिना एक रुपये खर्च किये गुरुवार को घर पहुच गए। इसके लिए छात्र व उसके परिजनों ने

18 घण्टे भूखे प्यासे रहकर किया बॉर्डर पार-देवल

सरकार को धन्यवाद दिया। यूक्रेन के ओडेसा शहर से बीती रात डेढ़ बजे अपने घर पहुचे पिंडरा निवासी व ओडेसा नेशनल मेडिकल कालेज में फोर्ट ईयर के छात्र देवल ने बताया कि ओडेसा से 26 फरवरी को बस से रोमानिया के लिए निकला। इस दौरान बीच बीच मे मुख्य रोड पर रूसी सेना के अटैक होने के कारण छोटे और अंदर के रास्ते होकर किसी तरह रोमानिया बॉर्डर के समीप पहुचा लेकिन 12 किमी दूर ही बस रोक दिए जाने से उतनी दूरी पैदल दूर करनी पड़ी। बॉर्डर पर चेकिंग व पार करने के लिए लगातार बर्फबारी के बीच भूखे

प्यासे18 घण्टे लगातार खड़ा होकर बिताया। इस दौरान कई छात्र चक्कर खा गिर पड़ते तो स्थानीय लोग मदद करते और खाने पीने की थोड़ी बहुत व्यवस्था कर देते। लेकिन खड़े हालात में ही सब कुछ करना पड़ा। बॉर्डर पर रोमानिया सरकार की लगी बस से किसी तरह भारतीय दूतावास के शेल्टर होम पहुचा तब जाकर राहत की सांस ले पाया। सरकार के विमान में बैठने से लेकर घर तक पहुचाने की व्यवस्था की। वही देर रात घर पहुचने पर पिता डॉ आरसी वर्मा व माता फुलकुमारी ने आरती उतारी और मुंह मिठाकर घर मे प्रवेश कराया। वही इस दौरान माता पिता और बहन के आंसू थमने का नाम नही ले रहे थे। बताते चलें कि पिंडरा क्षेत्र से तीन छात्र यूक्रेन में फंसे थे। इस समय फूलपुर निवासी डॉ दिलीप गिरी का पुत्र शिवम गिरी और धरसौना निवासी नंदलाल का पुत्र ललित कुमार भी सकुशल गुरुवार को घर पहुच गए। अपनो के बीच पहुचने पर उनके आँखों से आँसू निकल आये। वही इन तीनो लोगो के घर कुशलक्षेम पूछने वालो का तांता लगा रहा।

जैपुरिया के छात्र- छात्राओं ने मतदान के लिए किया जागरुक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस के बाबतपुर कैम्पस में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदान के लिए जागरुकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जैपुरिया स्कूल्स बनारस के चेयरमैन दीपक बजाज ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस विधानसभा के चुनाव में आप सभी को अपने मत के अधिकार का प्रयोग जरुर करना चाहिए। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के बच्चों ने गीत, रंगोली, पेंन्टिग के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए जागरुक करने का कार्य किया। और शत प्रतिशत मतदान करने भी अपील की। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुधा सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए सभी लोगों का चुनाव में भाग लेना बहुत जरुरी है। हर बच्चे को अपने परिवार में सभी को वोट डालने के लिए प्रेरित करना चाहिए। संगीत कार्यक्रम का आयोजन जैपुरिया स्कूल बाबतपुर के द्वारा किया

गया। इसमें प्रशांत सिंह, पीयूष दुबे, ताहिर अली, पल्लवी पाण्डेय, बबलू कुमार आदि की भूमिका उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर जैपुरिया स्कूल के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार बजाज,अधिशासी निदेशक श्याम सुन्दर बजाज, अनिल के.जाजोदिया, आयुष्मान बजाज, वरिष्ठ शैक्षणिक निदेशक नरेन्द्र पाण्डेय इत्यादि उपस्थित थे।

विश्व कल्याण के लिए युगों - युगों से होता आ रहा है यज्ञ- प्रखर जी महाराज

प्रखर वाराणसी। काशी खंड केदारनाथ में परम पूज्य संन्त प्रखर जी महाराज द्वारा राष्ट्र कल्याण के लिए व कॅरोना महामारी ,विश्व युद्ध से भू मंडल को बचाने के लिए विजय धात्री ,मंगल करनी माता भगवती का 100 कुंडी महायज्ञ 100 प्रकांड विद्वानों ब्राम्हणों द्वारा बनारस में 1महीने से श्री लक्ष चंडी महायज्ञ कराया जा रहा है। जिसका समापन अब जल्द होने वाला है। महायज्ञ से काशी वाशियो में काफी उत्साह भरा है। मीडिया से बात करते हुए संन्त प्रखर जी ने राष्ट्र हित ,राष्ट्र भक्त पार्टियों और नेताओं को अपना आशीर्वाद प्रदान किया तो वंही राष्ट्र द्रोही नेताओ और पार्टियों को माँ भगवती से राष्ट्र भक्ति उनके हृदय में पैदा करने की प्रार्थना किया। । श्रीलक्ष चंडी महायज्ञ से पूरा बनारस का वातावरण शिव पार्वती विवाह (शिवरात्री महोत्सव) से महक उठा।

पिंडरा का विकास दिख रहा है : मनोज तिवारी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। दिल्ली के भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहाकि पिंडरा का विकास भाजपा ने किया। 20 वर्षो का सूखा भाजपा ने खत्म किया। योगी-मोदी की सरकार के ही बल पर पिंडरा में फिल्म सिटी,

निकला 40 किमी लम्बा रोड शो

सांस्कृतिक संकुल, आईटीआई कालेज, होमियोपैथी कॉलेज तथा रोजगार देने वाला अमूल प्लांट का शिलान्यास हुआ। यह सरकार की देन है। उक्त बातें शुक्रवार को पिंडरा विस् क्षेत्र के बाबतपुर से प्रारंभ हुए रोड शो के दौरान पिंडरा में कही। उन्होंने कहाकि पिण्डरा मेरे लिए घर जैसा रहा है। मेरा युवावस्था इसी क्षेत्र में बिता। विकास तब क्या था अब क्या है कहने की जरूरत नही, सब दिख रहा है। उन्होंने रोड शो के दौरान 7 मार्च को अधिकाधिक संख्या मत डाल कर भाजपा प्रत्याशी डॉ अवधेश सिंह को विजई बनाने की अपील की। रोड शो बाबतपुर से शुरू होकर पिंडरा, मिराशाह, फूलपुर, खालिसपुर, बरवा, सिंधोरा, मरूई, गरथमा, मुर्दी, भानपुर, भई, ओदार, मंगारी होते

हुए बाबतपुर (सगुनहा) में जाकर खत्म हुई। इस दौरान मनोज तिवारी के साथ विधायक डॉ अवधेश सिंह, महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह, बृजेश दुबे, बबलू मिश्रा, पवन सिंह, अभिषेक राजपूत, अजय ऊदल , डॉ योगेंद्र सिंह समेत अनेक लोग रहे। वही 40 किमी लम्बे रोड शो के दौरान हजारो की संख्या में कार्यकर्ताओ के बाइक से शामिल होने व सड़क के किनारे सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों के खड़े होने से वाराणसी जौनपुर मार्ग पर लम्बा जाम लग गया। यही नही, रोड शो के दौरान बीच बीच मे अपने सुरीले अंदाज में भाजपा के समर्थन में गाने को भी जनता को सुनाते रहे। जिससे कार्यकर्ताओ में जोश दिखा।

ये अकेले आईपीएस हैं यूपी पुलिस की छवि सुधारने में काफी हद तक हुए हैं कामयाब

प्रखर दानगंज वाराणसी। पुलिस की इमेज अच्छी नहीं होती. यूपी पुलिस की तो बिलकुल नहीं. उगाही और उंगलीबाजी में उस्ताद है यूपी पुलिस. जिधर से पैसा मिल जाता है, उसी तरफ पक्षधर बन जाती है यूपी पुलिस. एफआईआर न लिखना, निदोर्षों को धमकाना मारना पीटना ये रुटीन का काम है यूपी पुलिस का. आम आदमी, खासकर गरीब आदमी वर्दी वालों को देखते ही घबराने लगता है. ऐसे में पुलिस के बारे में कोई पाजिटिव भला कैसे सोचे. पर एक आईपीएस है जो अपनी डिजिटल सक्रियता के जरिए समाज में ये संदेश देने में कामयाब हुआ है कि पुलिस बल बहुत संवेदनशील भी होता हैङ्क. पुलिस के लोग प्रेम और सामंजस्य की भाषा भी जानते है।यहां बात हो रही है आईपीएस सुभाष दुबे की. इन दिनों वे बनारस में एडिशनल सीपी हेडक्वार्टर एंड क्राइम के पद पर तैनात हैं. गाजीपुर, आगरा, सहारनपुर समेत कई जिलों में पुलिस कप्तान के रूप में जबरदस्त काम कर चुके सुभाष दुबे ने बदलते दौर के साथ डिजिटल मीडिया के माध्यम से एक बहुत बड़े तबके में ये संदेश देने की भरसक कोशिश की है कि पुलिस से डरिए नहीं, पुलिस को अपने ही घर परिवार का हिस्सा समझिए।आईपीएस सुभाष दुबे के नाम से एक यूट्यूब चैनल काफी चर्चा में है जिसमें उनके वीडियोज को मिलियन्स व्यूज मिलते हैं. मतलब उनकी बात करोड़ों लोगों तक पहुंचती है. सुभाष दुबे के वीडियो में पुलिस बल कई रूप में दिखता है. रात में फुटपाथ पर सोने वालों को कंबल ओढ़ाते पुलिस वाले, रैन बसेरों के बच्चों को करियर व शिक्षा के लिए मोटिवेट करता पुलिस बल. मूंगफली वाले रेहड़ी पटरी वाले दुकानदारों से बातचीत कर उनके सुखदुख को समझता पुलिस बल. अपने अधीनस्थों से संवाद स्थापित कर उनके दुखसुख को जानने की कोशिश करते पुलिस के वरिष्ठ अफसर, छात्रों को करियर और सफलता के लिए टिप्स देता पुलिस अफसरङ्क. बड़ी लंबी

लिस्ट है।सारा कुछ जानने के लिए आपको सुभाष दुबे के यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब करना पड़ेगा और उसके वीडियोज को देखना होगाङ्क तब आप समझ पाएंगे कि सुभाष दुबे कितना बड़ा काम कर रहे हैंङ्क. एक अकेला आईपीएस अपने डिजिटल एक्सपेरीमेंट से पुलिसिंग को लेकर जनता के पर्सपेक्टिव को बदलने में काफी हद तक कामयाब हुआ है।सुभाष दुबे के वीडियोज से पुलिस के प्रति जो एक सकारात्मक धारणा बनती है, उससे उत्साहित होकर बहुत सारे आम लोग अब सीधे सुभाष दुबे के आफिस पहुंच जाते हैं और अपनी अपनी समस्या उनसे खुलकर बताते हैं. सुभाष दुबे पूरी तत्परता से उन समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित थानों को टाइट करते रहते हैं।ज्ञात हो कि इन दिनों सोशल और डिजिटल मीडिया के बढ़ते चलन के कारण बहुत सारे अधिकारी इन मंचों पर सक्रिय हैं. यूपी पुलिस की ही बात करें कई अफसर अलग अलग कंटेंट लेकर डिजिटल मीडिया में सक्रिय हैं. कोई शेर ओ शायरी के लिए मशहूर है तो कोई किस्सागोई के लिएङ्क. इसी तरह देश भर के कई आईएएस अपने यूट्यूब चैनलों के जरिए जन जागरूकता बढ़ा रहे हैंङ्क लोगों को सचेत और अधिकार संपन्न कर रहे हैं.. उत्तराखंड में पदस्थ एक आईएएस आफिसर अपने वीडियोज के जरिए देश विदेश में मशहूर हो गयाङ्क इनके वीडियोज यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज हासिल करते है।नए दौर में पाजिटिव पुलिसिंग, आम जन से कनेक्ट प्रशासनिक कामकाज के सकारात्मक संदेशों को हर किसी तक पहुंचाने और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता लाने के लिहाज से सोशल व डिजिटल मीडिया का उपयोग काफी कारगर साबित हो रहा है. पुलिस विभाग के लिए खासकर ये माध्यम वरदान साबित हो सकता है बशर्ते सुभाष दुबे की तरह अन्य कुछ अधिकारी भी खुद को पीपल कनेक्ट रखें और अपनी विभिन्न किस्म का सामाजिक सक्रियताओं को आम लोगों तक पहुंचाएं।

ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट मशीनों के मूवमेन्ट की ट्रेकिंग हेतु ई.वी.एम. कन्ट्रोल रूम किया गया स्थापित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी गाजीपुर ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत जनपद स्तर पर ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट मशीनों के मूवमेन्ट की ट्रेकिंग हेतु ई.वी.एम. कन्ट्रोल रूम स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। उक्त के परिपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शानुसार जिला निर्वाचन कार्यालय, गाजीपुर के परिसर में कन्ट्रोल स्थापित कर दिया गया है, जो 24X7 क्रियाशील रहेगा, जिसका नम्बर- 0548-2220203 है। उक्त के सफल संचालन हेतु 5 मार्च से 8 मार्च तक निम्नांकित अधिकारियों को पर्यवेक्षणीण अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जिसमें बृजेश कुमार, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी का समय 6:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक, गोपाल कृष्ण चौधरी, उपायुक्त श्रम रोजगार का समय 2:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक एवं रमेशचन्द्र उपाध्याय, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी का समय रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक कायार्शील रहेगे।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया गया कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

प्रखर दानगंज चोलापुर। चोलापुर थाना क्षेत्र में पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के नागेंद्र रघुवंशी मुन्ना भईया के पैतृक आवास भटपुरवा कला में विधानसभा अजगरा जिला वाराणसी पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन भव्यता के साथ हुआ। जिसमें हजारों कार्यकताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने एवम आयोजक बड़े भाई पूर्व जिला अध्यक्ष नागेंद्र रघुवंशी जी ने कार्यकताओं का उत्साह वर्धन किया। और कार्यकर्ताओ से ज्यादा मतदान कर भाजपा प्रत्याशी त्रिभुवन राम को जीताने की अपील की।कार्यक्रम का कुशल संचालन पूर्व प्रधान धर्मेंद्र रघुवंशी जी ने किया।गरिमामयी उपस्थिति पूर्व विधानपरिषद सदस्य श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह जी अजगरा विधानसभा प्रत्याशी त्रिभुवन राम जी जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा जी पूर्व महानगर महामंत्री भाजयुमो वाराणसी अवधेश राय जी जिला उपाध्यक्ष अखण्ड सिंह जी आयर मंडल अध्यक्ष देवब्रत रघुवंशी जी पूर्व सयुंक्त मंत्री प्रशासन सेंट्रल बार विनय सिंह पिंटू जी अधिवक्ता आशुतोष रघुवंशी जी कपिल देव पांडेय जी पूर्व महामंत्री उदय प्रताप कॉलेज प्रियांशु सिंह जी एवम हजारों की संख्या में उपस्थित देवतुल्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

लोकेश ने एक बार फिर हरियाणा को हराकर टाइटल बेल्ट किया अपने नाम

प्रखर खानपुर गाजीपुर। खानपुर थानाक्षेत्र के अमेहता गाँव निवासी लोकेश मिश्रा पुत्र अखिलेश्वर मिश्रा ने एम-एम ए फाइट में हरियाणा को हराकर एक बार फिर जनपद का नाम रोशन कर दिया।वही लोकेश ने मात्र एक मिनट तीस सेकेंड में हरियाणा के फाइटर एम तेजा को चारों खाने चित्त कर नाक आउट कर दिया।अभी हाल ही में दिल्ली में आयोजित आठ देशों के साथ चल रहे नॉकआउट कम्बेट लीग के फाइनल में हरियाणा को हराकर गाजीपुर का नाम रोशन किया।और टाइटल बेल्ट अपने नाम कर लिया।वर्तमान में लोकेश मुंबई के पवई में रहकर अपनी पढ़ाई लिखाई करते हैं और वही से निःशुल्क एम एम ऐ फाइट कोचिंग सेंटर चलाकर लोगो को सेल्फ डिफेंस और अन्य तरह से लोगो को प्रशिक्षित करते हैं।वही लोकेश के टाइटल बेल्ट जीतकर हरियाणा से मुंबई आने पर नितेश जी व बिजेपी के पूर्व सांसद मिश्रा मनोज कोटक जी ने अवार्ड समारोह में उन्हें सम्मानित किया।और बताया कि लोकेश जी न केवल एक कामयाब फाइटर हैं बल्कि एक बहुत अच्छे ट्रेनर भी है जो बच्चों को निःशुल्क में ट्रेनिंग देते हैं।उनकी ट्रेनिंग सेंटर हीरानंदानी हेरिटेज गार्डन में चलता है जहाँ वह दर्जनों बच्चों को निःशुल्क ट्रेनिंग देते हैं।

उत्तर प्रदेश की जनता शत प्रतिशत मतदान की ओर अग्रसर है सत प्रतिशत करें मतदान ताकि अटल सरकार आ सके - सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जन सभा में सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज ने लोगो से अपिल कि उत्तर प्रदेश में सर्वोत्तम सरकार आने के लिए मतदान अवश्य करें जो आतंकवाद, अनाचार, कनाचार, भ्रष्टाचार मिटा सके ऐसी सरकार को चुने। हमारे भारत में सभी अच्छे प्रत्याशी हैं लेकिन जो श्रेष्ठ हैं उनका ही चुनाव करें ताकि एक के स्पष्ट अच्छी मानसिकता के लोग विधानसभा में जाएं और जनता के हित में कार्य कर सकें एवं बेहतर निर्णय ले सके। सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज जी ने कहा कि मतदाताओं को 5 वर्ष अपनी खुशहाली के लिए और समाज की खुशहाली के लिए वोट अवश्य करना चाहिए मतदान सशक्त राष्ट्र के निर्माण एवं विकास की कुंजी है जिससे कि भ्रष्टाचार गरीबी रूपी शत्रु के विनाश हो सके ।अतः अपने मतदान का सही प्रयोग कर देश के सवार्गीण विकास में भागीदारी बने और अपने साथ-साथ लोगों को भी शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक करे। श्री रितेश्वर जी महाराज ने जनता से अपील की कि इस मतदाता जागरण महोत्सव में अधिक से अधिक नागरिक भाग लेकर इस महोत्सव को सफल बनाएं।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं